E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 123 प्रयागराज, मंगलवार 25 अगस्त, 2026 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

## ईरान होर्मुज में जहाजों से वसूलेगा टोल,संसद की मंजूरी, मनपसंद करेंसी में लेगा पेमेंट, बदले में देगा सुरक्षा

तेहरान। ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी टैक्स या फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी के मुताबिक, फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इसके अलावा पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करेंसी में किया जा सकेगा।अमेरिका बोला- ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग शुरू-अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अब ईरान के खिलाफ आर्थिक जंग के आखिरी दौर में पहुंच गया है। बेसेंट के मुताबिक अमेरिका का मकसद ईरान की



कमाई के बड़े रास्ते बंद करना है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी सभी सरकारी एजेंसियों और अधिकारों का इस्तेमाल करेगा। इससे पहले ट्रम्प ने इसे किसी विरोधी देश के खिलाफ सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया था और दूसरे देशों से ईरान को अलग-थलग करने में साथ देने की अपील की थी। ईरान की खाड़ी देशों को चेतावनी- अमेरिका का साथ दिया तो दुश्मन मानेंगे-ईरान ने अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई में साथ देने वाले खाड़ी देशों को चेतावनी दी है। ईरान के नए राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख मोहसिन रेजाई ने कहा कि जो देश ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने में अमेरिका का साथ देगा, उसे दुश्मन माना जाएगा। मोहसिन रेजाई-राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख, ईरानः- अगर अमेरिका का आर्थिक दबाव जारी रहा, तो ईरान इलाके से तेल की एक बूंद भी बाहर नहीं जाने देगा। जो देश इस दबाव में अमेरिका का साथ देंगे, उनके आर्थिक हितों को भी निशाना बनाया जाएगा। ईरानी अधिकारी का दावा- मक्का एग्रीमेंट में शामिल होने का न्योता मिला-ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने दावा किया है कि तेहरान को मक्का एग्रीमेंट में शामिल होने का न्योता मिला है। ईरानी संसद से जुड़े मेहदी रहीमी ने शनिवार को ईरानी न्यूज चैनल अल मयादीन से बातचीत में यह जानकारी दी। रहीमी के मुताबिक, ईरान को इस समझौते में शामिल होने का न्योता मिला है और मामले पर अभी विचार किया जा रहा है। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय या समझौते के संस्थापक देशों सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

## जापान में 6.0 तीव्रता का दूसरा भूकंप,टोक्यो के पास आए झटकों में 40 से अधिक घायल हुए थे, हफ्ते तक भूकंप की चेतावनी

होक्काइडो। जापान के उत्तरी होक्काइडो प्रांत में रविवार रात 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के मुताबिक, भूकंप लोकल टाइम रात 10:45 बजे आया और इसका केंद्र होक्काइडो के पास समुद्र में 40 किमी की गहराई पर था। जेएमए ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की। इससे पहले शनिवार देर रात लोकल टाइम 2 बजे जापान के पूर्वी हिस्से में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था। क्योदो न्यूज के मुताबिक, टोक्यो और आसपास के इलाकों में 40 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जापान टाइम्स के मुताबिक, सरकार ने लोगों को अगले एक हफ्ते तक इसी तरह के तेज भूकंप के लिए सतर्क रहने को कहा है। भूकंप के बाद ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई-भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता एयरपोर्ट जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों में देरी हुई। उत्तर-पूर्वी इलाकों में चलने वाली कुछ स्थानीय ट्रेन सेवाओं पर भी असर पड़ा।

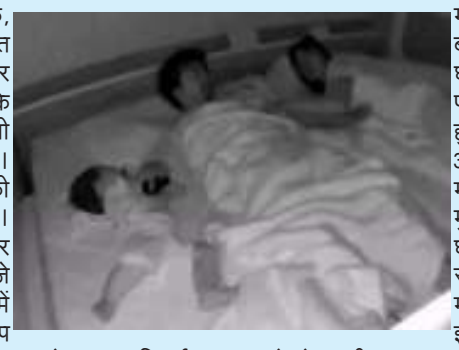



हालांकि, ईस्ट जापान रेलवे कंपनी के मुताबिक शिंकानसेन बुलेट ट्रेनें सामान्य रूप से चलती रहीं। भूकंप के बाद मोबाइल फोन पर इमरजेंसी अलर्ट जारी हुए और टोक्यो में भी तेज झटके महसूस किए गए। एनएचके पब्लिक टेलीविजन पर मिटो और साइतामा समेत आसपास के शहरों की सड़कों पर ट्रैफिक सामान्य दिखाई दिया। टोक्यो के पूर्वी वार्ड कोतो में जमीन के नीचे पानी की पाइपलाइन टूट गई। लेकिन बाद में पाइपलाइन की मरम्मत कर दी गई और पानी का रिसाव बंद हो गया। सोते समय घबराए लोग, घर में फर्नीचर गिरने से भी घायल हुए-प्रांतीय अधिकारियों और फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के मुताबिक, पांच प्रांतों में लोग घायल हुए। टोक्यो में 15, साइतामा में 9, कानागावा में 8, चिबा में 4 और इबाराकी में 1 शख्स घायल हुआ। अधिकारियों ने बताया कि ज्यादातर लोग सोते समय भूकंप से घबरा गए और बिस्तर से उठते हुए गिर गए या फर्नीचर और दरवाजों से टकरा गए। नमें योकोहामा की रहने वाली 80 साल की एक महिला भी शामिल हैं, जो बिस्तर से गिर गईं और उनके कूल्हे में गंभीर चोट आई। यह जानकारी योमिउरी अखबार ने दी। टोक्यो के पूर्वी इलाके ताइतो में खरीदारी कर रहे 23 साल के एक शख्स ने असाही अखबार को बताया कि भूकंप का अलर्ट बजने के कुछ सेकंड बाद उसे ऊपर-नीचे तेज झटका महसूस हुआ। उसने कहा कि इमारत हिलने के दौरान उसे डर था कि अलमारियों से गिरता सामान उसे चोट पहुंचा सकता है। टोक्यो के 23 वार्डों के साथ साइतामा और चिबा में लंबे समय तक चलने वाले झटके भी दर्ज किए गए। इसे लॉन्ग पीरियड ग्राउंड मोशन कहा जाता है। ऐसे झटकों में ऊंची इमारतें काफी देर तक हिल सकती हैं। इसके दूसरे स्तर पर लोगों को खड़े रहने में परेशानी हो सकती है और फर्नीचर या दूसरी चीजें हिलकर गिर सकती हैं। सराकार ने टास्क फोर्स बनाई, लोगों से सतर्क रहने को कहा- प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार ने संभावित नुकसान का जायजा लेने के लिए टास्क फोर्स बनाई है।

## यूक्रेन को सीक्रेट मिसाइल तकनीक देगा ब्रिटेन,कीव में बनेगी लंबी दूरी की SCALP मिसाइल-रूस में अंदर तक हमला करने में सक्षम

कीव। रूस के खिलाफ जंग में मदद के लिए ब्रिटेन यूक्रेन को अपनी सीक्रेट मिसाइल तकनीक देगा। इससे कीव में ही लंबी दूरी की SCALP क्रूज मिसाइल बनाने का रास्ता साफ होगा। ब्रिटेन में इस मिसाइल को स्टॉर्म शैडो कहा जाता है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम सोमवार को अपनी पहली विदेश यात्रा पर यूक्रेन पहुंचे। इसी दौरान मिसाइल तकनीक साझा करने का ऐलान किया गया है। वे राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। फ्रांस और यूक्रेन की योजना है कि इस साल के आखिर तक यूक्रेन में SCALP की उत्पादन लाइन शुरू की जाए। इससे यूक्रेन को मिसाइल की तकनीक समझने और उसे देश में बनाने में मदद मिलेगी। 550 किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइल एर्णैथ्इ को यूरोपीय हथियार कंपनी एमबीडीए ने बनाया है। यह विमान से दागी जाने वाली लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता करीब 550 किलोमीटर है। इसमें करीब 400 किलो का भारी विस्फोटक लगाया जा सकता है।मिसाइल का वजन करीब 1,300 किलो और लंबाई करीब 5.10 मीटर है। इसे पहले से तय किए गए ठिकानों पर हमला करने के लिए बनाया गया है। यह दिन हो या रात और मौसम कैसा भी हो, हमला कर सकती है। विमान से छोड़े जाने के बाद यह मिसाइल जमीन के काफी करीब उड़ते हुए



अपने लक्ष्य तक पहुंचती है। इसमें उपग्रह से रास्ता पता करने, इलाके की पहचान करने और गर्मी से लक्ष्य पहचानने वाली तकनीक लगी है। इससे यह दुश्मन के एयर डिफेंस से बचते हुए लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश करती है। रूस ने ब्रिटेन को जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी- ब्रिटेन के इस फैसले पर रूस ने कड़ी नाराजगी जताई है। ब्रिटेन में रूसी दूतावास ने कहा कि ब्रिटेन जानबूझकर यूक्रेन की जंग को और बढ़ा रहा है। दूतावास ने चेतावनी दी कि जंग में ब्रिटेन की भागीदारी जितनी बढ़ेगी, उसे इसकी कीमत उतनी ही ज्यादा चुकानी पड़ेगी। दूसरी तरफ एंडी बर्नहम ने कहा कि उनका देश यूक्रेन के साथ लंबे समय तक खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा ब्रिटेन की सुरक्षा से जुड़ी है। यूक्रेन खुद भी बना रहा लंबी दूरी की मिसाइलें-यूक्रेन ने अपनी लंबी दूरी की मिसाइल और ड्रोन बनाने की क्षमता भी बढ़ाई है। यूक्रेनी कंपनी फायर प्वाइंट ने करीब 3,000 किमी तक मार करने वाली एफपी-5 फ्लेमिंगो क्रूज मिसाइल बनाई है। राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक, इस मिसाइल का इस्तेमाल रूस के अंदर करीब 900 किमी दूर एक अहम रॉकेट इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्री पर हमला करने के लिए किया गया था।यूक्रेन की लंबी दूरी तक हमला करने की बढ़ती ताकत अब रूस के लिए भी चुनौती बन रही है। पीटर डिकिंसन- अटलांटिक काउंसिलः- 'रूस का बड़ा इलाका पहले उसकी ताकत था। लेकिन यूक्रेन के लंबी दूरी के हमले बढने से अब यही इलाका उसकी कमजोरी बनता जा रहा है।'कई यूरोपीय नेता भी कीव पहुंचे- यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बर्नहम के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा, लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीडेन, मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया संदू और एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस भी कीव पहुंचे।

## बांग्लादेश बोला- हमारे पीएम को भारत दौरे की जल्दबाजी नहीं,मंत्री ने कहा- भारत से अच्छे रिश्ते चाहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित को रख के

ढाका। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत दौरे को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अच्छे रिश्ते चाहता है, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। हुमायूं कबीर ने कहा कि प्रधानमंत्री के भारत दौरे का फैसला दोनों देशों के बीच बातचीत और जरूरी तैयारियों के बाद होगा। हुमायूं कबीर-विदेश राज्य मंत्री, बांग्लादेश- 'अगर कल हमारे राष्ट्रीय हितों के मुताबिक सहमति बन जाती है, तो पीएम अगले हफ्ते भी भारत जा सकते हैं। कोई जल्दबाजी नहीं है।' भारत ने तारिक रहमान को द्विपक्षीय दौरे के लिए आमंत्रित किया है। उन्हें 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट के आउटरीच सेशन में शामिल होने का न्योता भी मिला है। यह दौरा भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते सुधारने के लिए अहम माना जा रहा है। 2024 में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा हुआ है। हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा बांग्लादेश- अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना भारत आ गई थीं।

उन्हें ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश देने के लिए मौत की सजा दी है। बाकी मामलों में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। आईसीटी ने उन्हें 5 मामलों में आरोपी बनाया था। ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड बताया था। इसी के चलते बांग्लादेश लगातार उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। कबीर ने कहा कि हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा भी दोनों देशों के बीच जारी बातचीत का हिस्सा है। भारत का कहना है कि वह बांग्लादेश के अनुरोध की कानूनी प्रक्रिया के तहत समीक्षा कर रहा है। हसीना ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने का ऐलान किया-5 अगस्त को नई दिल्ली से एक वर्चुअल मीडिया कार्यक्रम में शेख हसीना ने कहा था कि वह दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी और देश को फिर से सही रास्ते पर लाने की कोशिश करेंगी। इस बयान पर बांग्लादेश ने कड़ी आपत्ति जताई थी और कहा था कि इससे बांग्लादेश के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में फिर से तनाव बढ़ गया। ढाका ने कहा था कि भारत में हसीना के ऐसे कार्यक्रम दोनों देशों के रिश्ते बेहतर बनाने की कोशिशों पर असर डाल सकते हैं। हालांकि भारत सरकार ने साफ किया कि कार्यक्रम के आयोजन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी। जयशंकर बोले- कोई भी रिश्ता तभी मजबूत जब उससे दोनों का फायदाः-भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान भी काफी चर्चा में है।

## बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की हत्या

ढाका। बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। बांग्लादेशी मीडिया डेली स्टार के मुताबिक इस मामले में पुलिस ने कजिन ब्रदर्स मुग्धो और सिद्धार्थ को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों युवक घर की छत पर बैठकर याबा नाम की नशीली ड्रग ले रहे थे। परिवार ने उन्हें देख लिया और रोकने की कोशिश की। इसके बाद दोनों ने परिवार की हत्या कर दी। फिर आरोपियों ने घर में खाना खाया और नहाया। परिवार के चारों लोगों के शव शनिवार रात बंद घर से मिले। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती (65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

## गिनी में कचरे का ऊंचा ढेर धंसा, 30 की मौत,6 लोग घायल; भारी बारिश के बाद बचाव अभियान जारी

कोनाक्री। गिनी की राजधानी कोनाक्री में रविवार तड़के शहर के सबसे बड़े लैंडफिल में कचरे का पहाड़ धंस गया। हादसे में 30 लोगों की मौत हुई है। लैंडफिल ऐसी बड़े कचरे के ढेर बन गए हैं। कचरा बढ़ता जाता है तो ढेर भारी और ऊंचा होता जाता है। ऐसे में उसकी पकड़ कमजोर पड़ सकती है। बारिश में खतरा और बढ़ जाता है। पानी कचरे



जगह होती है, जहां शहर का कचरा इकट्ठा यानी डंप किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार देर रात करीब 2 बजे शुरू हुई भारी बारिश के बाद कचरे के ऊपर से पानी बहा। इससे लैंडस्लाइड हुई और पास की झोपड़ियां मलबे में दब गईं। हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कई घर तबाह हो गए। मलबे में दबे लोगों को खोजने के लिए सर्च और रेस्क्यू अभियान जारी है। शहर का सबसे बड़ा लैंडफिल था-यह हादसा दार एस सलाम के खुले कचरे के डंप में हुआ, जो कोनाक्री का सबसे बड़ा लैंडफिल है। सैन्य इंजीनियरिंग बटालियन के सफाई अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल बाल्ड मामादो बैलो के मुताबिक, इस जगह को रविवार को बंद किया जाना था। लैंडफिल के आसपास रहने वाले लोगों को जगह खाली करने के नोटिस दिए गए थे। इसके बाद कई लोग इलाका छोड़कर चले गए, लेकिन हादसे के समय कई लोग अब भी वहीं मौजूद थे। अफ्रीकी देशों में लैंडफिल हादसे क्यों बढ़ रहे? अफ्रीकी देशों के कई शहरों में लोग तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन कचरा संभालने की व्यवस्था उतनी तेजी से नहीं बढ़ी। इसलिए शहरों के बाहर बड़े-के ढेर में भर जाता है, जिससे उसका वजन बढ़ता है और ढेर नीचे खिसक सकता है। गिनी में भी मौजूदा हादसे के पीछे भारी बारिश के बाद कचरे का ढेर धंसने की बात सामने आई है। एक और बड़ी वजह है कि इन कचरा डंप के आसपास गरीब बस्तियां बस जाती हैं। कई लोग कचरे से प्लास्टिक और धातु निकालकर कमाई करते हैं या सस्ती जमीन की वजह से यहां रहते हैं। इसलिए जब कचरे का ढेर धंसता है तो आसपास रहने वाले लोग सीधे उसकी चपेट में आ जाते हैं। गिनी में बॉक्साइट का भंडार, फिर भी गरीबी- गिनी की जमीन के नीचे बॉक्साइट, लौह अयस्क, सोना और हीरे जैसे कई खनिज हैं। यहां दुनिया के सबसे बड़े बॉक्साइट भंडारों में से एक है। यानी देश के पास प्राकृतिक संसाधनों की कमी नहीं है। फिर भी देश की बड़ी आबादी गरीब है।विश्व बैंक के मुताबिक, 43.7इ लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। वजह यह है कि खनिजों से होने वाली कमाई का फायदा हर व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता। खनन से देश को पैसा तो मिलता है, लेकिन उसे रोजगार, बेहतर सड़क-पानी जैसी सुविधाओं और लोगों की आय बढ़ाने में बदलना अब भी बड़ी चुनौती है।

## अमेरिकी रक्षा मंत्री की पत्नी हमले के प्लान के लिए सीक्रेट मीटिंग में बैठीं, स्टाफ भी चुन रहीं

न्यूयॉर्क। दुनिया का सबसे ताकतवर रक्षा मंत्रालय अमेरिकी पेंटगन किचन कैबिनेट (ताकतवर नेता के परिवार जन) में तब्दील हो गया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की पत्नी जेनिफर हेगसेथ इन दिनों पेंटागन में सबसे प्रभावशाली सलाहकार की भूमिका निभा रही हैं। पत्रकार रहीं जेनिफर पति के इंटरव्यू की तैयारी, स्टाफ चुनने व रणनीति बनाने में मौजूद रहती हैं। उनकी भूमिका तब विवादों में आई, जब वे उस सिग्नल चैट मीटिंग में शामिल थीं, जिसमें यमन में अमेरिकी हमले की योजना साझा की गई थी। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रम्प ने उन्हें सैन्य परिवारों से जुड़े मिलिट्री स्पाउस कमीशन का अध्यक्ष बनाया है।न्यूज चैनल में हेगसेथ के शो की प्रोड्यूसर थीं जेनिफर, यहीं हुई दोस्ती-पीट-जेनिफर की दोस्ती 2014 में टीवी चैनल में हुई। तब पीट बतौर एंकर शो होस्ट करते और जेनिफर उनकी शो प्रोड्यूसर हुआ करती थीं। साथ काम करते-करते दोनों करीब आए और 2019 में शादी के बंधन में बंध गए। दोनों की ये दूसरी शादी है। पीट अक्सर कहते हैं कि 'जीसस' (ईश्वर) और 'जेनिफर' ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी है। ऐसे बढ़ा जेनिफर



का प्रभाव-जेनिफर का दबदबा तब और बढ़ा, जब वह मार्च 2025 में ब्रिटिश वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ एक बेहद गोपनीय बैठक में मौजूद थीं। उस वक्त अमेरिका ने यूक्रेन के साथ सैन्य खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया था। जेनिफर की मौजूदगी से असहज ब्रिटिश अधिकारियों ने संवेदनशील बातें रोक दीं। इसके बाद अलग से जेनिफर की गैरमौजूदगी में बैठक करनी पड़ी। पाबंदियां लगाईं- जेनिफर ने मीडिया के प्रति कड़ा रुख अपनाया। फरवरी 2025 में पेंटागन ने 'मीडिया रोटेशन प्रोग्राम' लागू किया, जिसके तहत कई संस्थानों को पेंटागन के वर्कस्पेस से बाहर कर दिया। साथ ही, वे रक्षा विभाग के वीडियो-रील्स के जरिए सैन्य गतिविधियों को युवा, जेन-जी तक पहुंचाने की रणनीति में भी भूमिका निभा रही हैं। सैन्य अफसरों का भी इंटरव्यू ले चुकीं- ट्रम्प के सत्ता संभालने के बाद जेनिफर ने रक्षा विभाग से जुड़े सैन्य अफसरों के 40-40 मिनट के लंबे इंटरव्यू लिए और मीडिया से निपटने की क्षमता पर तीखे सवाल पूछे। भूमिका पर सैन्य अफसरों ने उठाए सवाल- हेगसेथ के साथ काम कर चुके पूर्व मुख्य प्रवक्ता जॉन उलीओट ने कहा, 'किसी रक्षा मंत्री का अपनी पत्नी को गोपनीय सैन्य कर्तव्यों में शामिल करना और उस पर कोई कार्रवाई न होना हैरान करने वाला है।' वहीं सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि रक्षा मंत्री को मिली उच्च-स्तरीय सुरक्षा मंजूरी कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे वे अपनी पत्नी को सौंप दें।

## हरदीप निज्जर को मैंने मरवाया, मेरे भाइयों को मरवाने वाले इसकी कोठी में रहते थे-गैंगस्टर गोल्डी बराड़, पहले भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगे थे

चंडीगढ़। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने दावा किया है कि कनाडा में खालिस्तानी आतंकी

हरदीप सिंह निज्जर की हत्या उसी ने करवाई थी। इससे जुड़ा एक ऑडियो सामने आया है। इसमें गोल्डी बराड़ आतंकी परमजीत सिंह उर्फ पम्मा से कह रहा है कि निज्जर को इसलिए टारगेट किया गया, क्योंकि उसके भाई की हत्या के बाद सुक्खा दुनेके और अर्श डाला जैसे लोग निज्जर की कोठी में रहते रहे थे। ऑडियो में वह कह रहा है कि-'जिन कोठियों में बैठकर मेरे भाइयों को मरवाया गया, वे उन्हीं लोगों की थीं। इसी वजह से मेरा खून खौलता था। मैं उसे छोड़ नहीं सकता था। गुरु घर की इज्जत के कारण अंदर गोली नहीं चलाई गई। अगर अंदर गोली चलानी होती या बदतमीजी करनी होती तो अर्श डाला को भी मार दिया जाता।' गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो में कहा कि गुरु घर की इज्जत के लिए सब्र रखा और गेट के बाहर आने तक इंतजार किया। उसे लगा था कि अर्श डाला भी गाड़ी में साथ है।उसने इसे अपनी गलती बताते हुए कहा कि अगर उस समय अर्श डाला को भी मार दिया होता तो उसे बार-बार सफाई देने की जरूरत नहीं पड़ती। गौरतलब है कि निज्जर की हत्या 18 जून 2023 को कनाडा के सरे में कर दी गई थी। हमलावरों ने गुरुद्वारा के बाहर निकलते ही घेरकर 50 राउंड फायरिंग की थी, जिसमें से 34 गोलियां निज्जर को लगीं थी।कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार के एजेंटों का हाथ होने के आरोप लगाए थे।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

# इंटेलेक्चुअल होम्योपैथिक ऑब्जेक्टिव आईएचओकी नई कार्यकारिणी गठित-डॉ सुनील त्रिवेदी बने अध्यक्ष

**होम्योपैथिक के प्रति जनविश्वास,जनहित कार्यों की प्राथमिकता का संकल्प,अध्यक्ष व महामंत्री और नवागंतुक पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली, नवागंतुक अध्यक्ष व महामंत्री व पदाधिकारियों को बुके व मिठाई खिलाकर आईएचओ के चिकित्सकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद रायबरेली में होम्योपैथिक चिकित्सकों की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था इंटेलेक्चुअल होम्योपैथिक ऑब्जेक्टिव समिति की नई कार्यकारिणी का गठन आज किया गया। नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुभव तथा युवा चिकित्सकों की सक्रियता का समन्वय करते हुए संस्था के संगठनात्मक एवं चिकित्सकीय कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया। नई कार्यकारिणी में संरक्षक मंडल में डॉ. रमेश श्रीवास्तव, डॉ. रवि मिश्रा, डॉ. दलजीत न है सिंह, डॉ. डी.एन. शर्मा, डॉ. आर.पी. मौर्य, डॉ. अशोक सिंह, डॉ. राजीव सिंह एवं डॉ. प्रभात श्रीवास्तव को शामिल किया गया है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. सुनील त्रिवेदी, उपाध्यक्ष डॉ. क्रांति कुमार एवं डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सचिव डॉ. रफत आलम, संयुक्त सचिव डॉ. अमर शुक्ला, कोषाध्यक्ष डॉ. दिलीप गुप्ता, मीडिया प्रभारी डॉ. पवन वर्मा तथा डॉ. मोहम्मद सलीम को दायित्व सौंपा गया मविविहै। वहीं वैज्ञानिक सलाहकार मंडल में डॉ. के.सी.

चौधरी, डॉ. अख्तर हुसैन तथा डॉ. आबिदा अदीबा फारुकी को शामिल किया गया है। वरिष्ठ संयोजक के रूप में डॉ. अभिषेक पांडेय एवं डॉ. अभिषेक त्रिवेदी तथा संयोजक के रूप में डॉ. प्रशांत सिंह कार्य करेंगे। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि संस्था ने अपने कार्यकाल में होम्योपैथिक चिकित्सकों को एक मंच पर लाने तथा होम्योपैथी के हित में कार्य करने का प्रयास किया है। उन्होंने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम संस्था को और मजबूती प्रदान करेगी तथा होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के विकास एवं जनहित में उल्लेखनीय कार्य करेगी। निवर्तमान सचिव डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि नई कार्यकारिणी के गठन से संस्था में नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सकों को साथ लेकर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने तथा होम्योपैथी के प्रति जनविश्वास को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जाएगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सुनील त्रिवेदी ने सभी वरिष्ठ चिकित्सकों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित न रहकर होम्योपैथिक चिकित्सकों के हितों की रक्षा, चिकित्सा पद्धति के वैज्ञानिक विकास तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण होम्योपैथिक चिकित्सा की पहुंच सुनिश्चित करना होगा। नई कार्यकारिणी ने आपसी सहयोग, चिकित्सकीय ज्ञान के आदान-प्रदान तथा होम्योपैथी के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

**(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सिविल लाइन पुलिस ने वाहन चोरी करके बेचने वाले गैंग के पांच अभियुक्तों को किया गिरफ्तार उनकी निशान देही पर पांच वाहन एक इंजन भी किया बरामद**

# चोलापुर में मिड-डे मील रसोइयों का भव्य सम्मान,अजगरा विधायक प्रतिनिधि ने बांटे चेक, कैशलेस चिकित्सा कार्ड और यूनिफॉर्म

### मानदेय बढ़ने व मुफ्त इलाज की सुविधा से रसोइयों में उत्साह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चोलापुर/वाराणसी। रविवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र चोलापुर के सभागार में मिड-डे मील योजना



के तहत विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अजगरा विधायक त्रिभुवन राम के प्रतिनिधि ने रसोइयों को चेक, मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड तथा यूनिफॉर्म वितरित कर सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं के तहत विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड के माध्यम से प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। समारोह में रसोइयों को इस सुविधा से संबंधित कार्ड वितरित किए गए। इसके साथ ही रसोइयों का मासिक मानदेय दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये किए जाने पर भी उनमें उत्साह देखा गया। योजना के तहत रसोइयों को मानदेय की राशि के चेक भी वितरित किए गए। वहीं, यूनिफॉर्म आदि के लिए प्रतिवर्ष एक हजार रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। कार्यक्रम में कुछ रसोइयों को यूनिफॉर्म भी प्रदान की गई। खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर नागेंद्र सरोज ने रसोइयों को उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने रसोइयों को शिक्षा परिवार के अदृश्य नायक-नायिका बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि रसोइयों को पूरी ईमानदारी, परिश्रम और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। इसलिए भोजन के निर्माण और वितरण में स्वच्छता व सावधानी का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद सिंह तथा महामंत्री रमेश यादव ने भी रसोइयों को संबोधित करते हुए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें अपने दायित्वों के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन भारतीश मिश्रा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी नागेंद्र सरोज ने किया। इस अवसर पर बसंत यादव, बनारसी यादव, बंधू चौबे, हरिश्चंद्र मिश्रा, रसोइया संघ के जिला अध्यक्ष सहित चोलापुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में रसोइया और शिक्षक उपस्थित रहे। समारोह में रसोइयों के योगदान को सम्मानित करने के साथ उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। इससे रसोइयों में उत्साह का माहौल रहा।

# सभी सफाई बहिनें मेरे परिवार का हिस्सा:विधायक, मैहर में 100 से अधिक महिला सफाई-कर्मियों के खातों में भेजे रु2500

## सेवा बहनों ने विधायक को राखी भी बांधी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी

ने रक्षाबंधन के पूर्व सफाई कर्मी महिला बहिनों को 2500 रुपए की राशि उपहार स्वरूप प्रदान कर कहा कि सभी सफाई बहिनें मेरे परिवार का हिस्सा है। विधायक श्री चतुर्वेदी ने कहा कि 'आज मेरा नहीं, सेवा बहनों का सम्मान करने का दिन है।' उन्होंने पुष्प वर्षा कर सभी महिला कर्मियों का स्वागत किया। मैहर में भावुक पहल- महिला सफाई बहिनों ने विधायक श्री चतुर्वेदी को बांधी राखी, विधायक ने सम्मान देकर सभी को परिवार का हिस्सा बताया। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष से इस पहल को उनके द्वारा आरम्भ किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में सफाई कर्मियों के प्रति सम्मान बढ़ाना था। यह कार्यक्रम हृदयों को जोड़ने वाला साबित हुआ। जब छोटी-छोटी कलाइयों






ने मेहनत से सजी हथेलियां थामीं, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो गया। यह पहल एक ऐसा दृश्य बन गई जिसने हर आंख को नम कर दिया और हर दिल को छू लिया। इस अनूठे आयोजन से सभागार में उपस्थित सभी भाई-बहिन के रिश्तों की खुशबू से महक उठे। इस अवसर पर विधायक श्री चतुर्वेदी ने कहा कि हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के मैहर प्रवास के समय मैहर क्षेत्र की ऐतिहासिक जनहितैषी घोषणाएं की है। जिसमें 25 करोड़ रुपये से मैहर में आधुनिक स्टेडियम, बदेरा क्षेत्र में 132 के व्ही का विद्युत उप केंद्र, पांच हजार गायों की गौशाला, 50 करोड़ की राशि से लिलजी जलाशय का विस्तार, मैहर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। इनमें कलेक्टर कार्यालय भवन ,जिला पंचायत भवन का निर्माण, स्टेडियम की स्थापना और अन्य योजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम के समापन पर सेवा बहनों ने विधायक को राखी बांधकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह कार्यक्रम मैहर पर्यटक सूचना केंद्र में किया गया। इसमें नगर की लगभग सभी सेवा मित्र बहनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कुल 89 महिला सफाई कर्मी लाभान्वित हुई इसमें नगर पालिका मैहर की 100 से अधिक महिला सफाई कर्मी एवं स्वास्थ्य विभाग की सफाई कर्मियों शामिल है। इनके बैंक खातों में 2500 रुपए ट्रांसफर किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका श्रीमती गीता सोनी, उपाध्यक्ष श्रीमती शीतल नितिन ताम्रकार, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री कैलाश गौतम,श्री आलोक अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्री विकास तिवारी,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जयंती तिवारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रिंस अग्रवाल,पार्षद श्री अशोक चौबे, श्री जितेंद्र पांडे,श्रीमती संतोष चौरसिया,श्रीमती रितु कोल,श्री केशव कुशवाहा,कु. निधि प्रजापति,श्रीमती ललिता सूर्य प्रकाश चौरसिया,एल्डरमैन सर्वश्री कल्लू पाल,संजय जादवानी,श्रीमती भक्ति शर्मा,श्री तुषार अग्रवाल व श्री संतोष सोनी,श्री नितिन ताम्रकार,श्री संजय पाण्डेय,श्री पारस नाथ तिवारी,श्री अम्बुज द्विवेदी,श्री दिनेश मौर्य,

श्री आदित्य नारायण शुक्ला,श्री राजा पाण्डेय,श्री रचित तिवारी,श्री उत्तम सिंह पटेल बेलदरा, श्रीमती अनीता तिवारी,श्री अंकुर सिंह ठाकुर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# रायबरेली में चुनावी मौसम आते ही जागती है भाजपा सरकार की विकास की याद:शशिकांत शर्मा

### 'चार साल बाद फिर रु879 करोड़ का विकास पैकेज, लेकिन 2021-22 के रु834 करोड़ का हिसाब कौन देगा?'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रायबरेली दौरे और करीब 879 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के



लोकार्पण एवं शिलान्यास को समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव शशिकांत शर्मा ने विकास की गंभीर पहल के बजाय चुनावी घोषणाओं का नया पैकेज करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को रायबरेली की याद विकास के नियमित कामकाज के लिए नहीं, बल्कि चुनावी जरूरतों के समय आती है। शशिकांत शर्मा ने कहा कि रायबरेली की जनता अब केवल शिलान्यास के पत्थर और मंच से होने वाली घोषणाएं नहीं, बल्कि योजनाओं का वास्तविक परिणाम जानना चाहती है। सवाल यह है कि जिन परियोजनाओं की घोषणाएं पहले की गईं, उनमें कितनी पूरी हुईं, कितनी अधूरी हैं और कितनी आज भी कागजों में चल रही हैं? उन्होंने कहा कि दिसंबर 2021 और जनवरी 2022 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा सरकार ने रायबरेली के लिए लगभग रु834 करोड़ की परियोजनाओं का पैकेज पेश किया था। अब अगस्त 2026 में एक बार फिर लगभग रु879 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जा रहा है। शशिकांत शर्मा ने सवाल किया कि यदि पिछली घोषणाओं का विकास जमीन पर पूरी तरह दिखाई दे रहा है, तो सरकार को उसी उपलब्धि का विस्तृत हिसाब जनता के सामने रखने में क्या परेशानी है? उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'रायबरेली की जनता को अब यह समझने की जरूरत है कि चुनाव से पहले होने वाला शिलान्यास विकास की शुरुआत है या चुनावी राजनीति का पुराना फार्मूला। भाजपा सरकार अगर वास्तव में विकास को लेकर गंभीर है तो केवल नई योजनाओं की सूची न बताए, बल्कि पिछले वर्षों में घोषित परियोजनाओं की पूर्णता, खर्च और वास्तविक लाभार्थियों का भी सार्वजनिक हिसाब दे।' महापुरुषों की जयंती भी राजनीतिक कैलेंडर का हिस्सा बन गई? शशिकांत शर्मा ने अमर शहीद राना बेनी माधव सिंह की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री के रायबरेली आगमन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों का सम्मान किसी एक दिन या चुनावी वर्ष तक सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, '2017 से अब तक के मुख्यमंत्री कार्यकाल को देखें तो राना बेनी माधव सिंह की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री का रायबरेली आगमन 24 अगस्त 2022 और 24 अगस्त 2026 को हुआ। सवाल यह नहीं है कि मुख्यमंत्री आज आए क्यों हैं, सवाल यह है कि पिछले वर्षों में इस महान स्वतंत्रता सेनानी की जयंती पर सरकार की निरंतर उपस्थिति और उनके नाम से जुड़ी स्थायी योजनाएं कितनी दिखाई दीं?' उन्होंने कहा कि महापुरुषों के नाम पर कार्यक्रम आयोजित करना अच्छी बात है, लेकिन उनकी विरासत को शिक्षा, शोध, स्मारक, संग्रहालय, स्थानीय विकास और नई पीढ़ी के बीच जीवित रखना उससे कहीं बड़ा सम्मान है। केवल जयंती पर पुष्पांजलि और मंचीय भाषण से स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। 'शिलान्यास की राजनीति बंद हो, काम की प्रगति बताई जाए' सपा प्रदेश सचिव ने कहा कि भाजपा सरकार के सामने अब सबसे बड़ा सवाल नई घोषणाओं का नहीं, पुरानी घोषणाओं की जवाबदेही का है। उन्होंने कहा कि सरकार को रायबरेली की जनता के सामने एक सार्वजनिक रिपोर्ट रखनी चाहिए कि पिछले वर्षों में जिले के लिए कितनी परियोजनाओं की घोषणा हुई, उनमें कितने काम पूरे हुए, कितने लंबित हैं, कितनी लागत बढ़ी और कितनी परियोजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचा। 'सरकार हर दौरे पर करोड़ों रुपये की नई योजनाओं का आंकड़ा बताती है, लेकिन जनता यह जानना चाहती है कि उसके गांव की सड़क कब बनी, अस्पताल में व्यवस्था कब सुधरी, युवाओं को रोजगार कब मिला, किसानों की समस्याओं का समाधान कब हुआ और शहर-कस्बों की बुनियादी सुविधाएं कब बेहतर हुईं। करोड़ों के आंकड़े टीवी की सुर्खियां तो बन सकते हैं, लेकिन जनता की जिंदगी तब बदलती है जब परियोजना जमीन पर पूरी होती है।' – शशिकांत शर्मा-रायबरेली को पैकेज नहीं, स्थायी विकास चाहिए-शशिकांत शर्मा ने कहा कि रायबरेली राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिला जरूर है, लेकिन यहां के लोगों को चुनावी पैकेज नहीं, स्थायी और दिखाई देने वाला विकास चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि कुछ बड़े कार्यक्रम, परियोजनाओं की लंबी सूची और करोड़ों रुपये के आंकड़े दिखाकर जनता के मूल सवालों को दबाया जा सकता है। 'रायबरेली की जनता अब



आंकड़ों की बाजीगरी और घोषणाओं की राजनीति से आगे बढ़ चुकी है। जनता पूछ रही है–पिछली घोषणा का क्या हुआ? पिछली परियोजना कब पूरी हुई? कितना पैसा खर्च हुआ? किसे लाभ मिला? और जो काम आज शुरू बताया जा रहा है, वह कब पूरा होगा?' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि जनता के प्रति उसकी जिम्मेदारी भी है। इसलिए भाजपा सरकार को सपा के सवालों को राजनीतिक बयान समझकर खारिज करने के बजाय हर परियोजना का समयबद्ध और सार्वजनिक हिसाब देना चाहिए। 'चुनावी मौसम में शिलान्यास, चुनाव के बाद सन्नाटा–यह मॉडल अब नहीं चलेगा' शशिकांत शर्मा ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार की राजनीति का पैटर्न जनता के सामने स्पष्ट है–'चुनाव करीब आए तो महापुरुष याद आते हैं, बड़े-बड़े कार्यक्रम होते हैं, करोड़ों की परियोजनाओं की घोषणा होती है और चुनाव बीतने के बाद वही योजनाएं सरकारी फाइलों में दिखाई देती हैं।' उन्होंने कहा कि रायबरेली की जनता अब इस राजनीतिक शैली को समझ चुकी है और आने वाले चुनाव में घोषड़ाएं नहीं, काम का मूल्यांकन करेगी। उन्होंने कहा–'रायबरेली को चुनावी लॉलीपॉप नहीं चाहिए। रायबरेली को जवाब चाहिए। भाजपा सरकार को पहले 2021-22 के ?834 करोड़ के विकास पैकेज का हिसाब देना चाहिए और उसके बाद 2026 के रु879 करोड़ के नए पैकेज की बात करनी चाहिए। जनता अब यह पूछेगी कि पत्थर कितने लगे, बल्कि काम कितने पूरे हुए।' अंत में शशिकांत शर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास की विरोधी नहीं है, बल्कि दिखावटी विकास की राजनीति के खिलाफ है। सरकार अगर वास्तव में रायबरेली का विकास चाहती है तो घोषणाओं के साथ उनकी समयसीमा, बजट, प्रगति और पूर्णता की स्थिति सार्वजनिक करे। 'रायबरेली की जनता अब भाषण नहीं, परिणाम देखना चाहती है; शिलान्यास नहीं, निर्माण देखना चाहती है; आंकड़े नहीं, अपने जीवन में बदलाव देखना चाहती है। आने वाले समय में जनता भाजपा सरकार से इन्हीं सवालों का जवाब मांगेगी।'

# उन्नाव प्रकरण को लेकर कांग्रेस का विरोध, विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उन्नाव में राष्ट्रगान के

दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के कार्यक्रम स्थल से चले जाने के आरोप को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने विरोध जताया। कांग्रेस गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बहरिया थाने पहुंचकर शिकायत पत्र सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच कर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। अशफाक अहमद ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान के दौरान जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति का कार्यक्रम स्थल से चले जाना राष्ट्र का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है। कांग्रेस इस कृत्य की घोर निंदा करती है और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की मांग करती है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने



मुख्यमंत्री से मांग की कि पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर निष्पक्ष जांच कराई जाए और जांच में आरोप सही पाए जाने पर विधानसभा अध्यक्ष के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जानी चाहिए। इस दौरान पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दिनेश यादव, शमसुल कमर, फाफामऊ प्रभारी मंजू मौर्या, डॉ. अमर सिंह पटेल, राकेश पासवान, सुनील पाण्डेय, वाररूम प्रभारी सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, सुरेश पटेल, रितेश पासी, मो. फारुक, मो. अरमान, सूर्यभान कुशवाहा, वरिष्ठ मौर्या, रमेश मौर्या, श्यामजी धुरिया, हरिभान सिंह सिंगरौर, नन्दू पासी, इंद्रजीत पटेल, धीरज पटेल, केशव चंद्र मौर्या, संगीता पटेल, रेखा पटेल, सुषमा पाल, ज्ञान चंद्र मौर्या, मो. वसीम, फोटो देवी, सत्यवती गौतम, प्रभावती पाल, अशोक कुमार गौतम, अनवर अली, हर्ष पटेल, नन्हें, महेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## निःशुल्क आधार कार्ड शिविर का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महिला उन्नति संस्था, गौतम बुद्ध नगर की जिला अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा के नेतृत्व में दी मॉडल स्कूल, सदरपुर, सेक्टर-45, नोएडा में सरकार के सहयोग से विद्यार्थियों एवं आम जनता की सेवा के लिए निःशुल्क आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया गया।दिनांक 16 अगस्त 2026 एवं 23 अगस्त 2026 को आयोजित दोनों शिविरों में सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। दोनों शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुए।इस अवसर पर संस्था की जिला अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा ने उपस्थित लोगों से शिविर के संबंध में बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं अनुभवों को जाना। लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए सरकार, दी मॉडल स्कूल एवं महिला उन्नति संस्था का आभार व्यक्त किया।लोगों ने कहा कि आम जनता के लिए इस प्रकार के निःशुल्क शिविर सरकार की एक बहुत अच्छी एवं सराहनीय पहल है। समाज के सभी वर्ग यदि एक-दूसरे का सहयोग करें, तो मिलकर समाज को और अधिक सशक्त, जागरूक एवं विकसित बनाया जा सकता है।

## सलोन में वन विभाग की मिलीभगत से धड़ल्ले से पेड़ों का कटान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। एक तरफ मुख्यमंत्री लगातार पेड़ लगाने और पर्यावरण बचाने की अपील कर रहे हैं, तो वहीं सलोन में वन विभाग की सांठगांठ से वन माफियाओं द्वारा अवैध कटान जोरों पर चल रहा है। सलोन क्षेत्र में डेली महुआ, आम, गूलर आदि के पेड़ों का अवैध कटान किया जा रहा है। आरोप है कि जब भी वन विभाग के अधिकारियों को फोन लगाया जाता है तो फोन नहीं उठाते, जिससे साफ है कि वन माफियाओं के आगे वन विभाग नतमस्तक है।

सवाल उठता है कि आखिर सलोन में कौन है वो वन माफिया जिसके आगे वन विभाग के अधिकारी झुके हुए हैं और क्या इस अवैध कटान पर रोक लग पाएगी?

## 35 से अधिक बार नियम तोड़ने वाले 1062 वाहनों का पंजीयन निलंबित,लंबित चालान नहीं भरने वालों पर परिवहन विभाग की सख्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरहुआ/ वाराणसी। जमालपुर स्थित आरटीओ विभाग की बड़ी कार्यवाही यातायात नियमों की लगातार अनदेखी करने वाले वाहन स्वामियों पर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने शिकंजा कसा है। 35 से 46 बार तक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1062 वाहनों का पंजीयन निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई शासन के निर्देश और 22 मई 2026 को हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में की गई है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) वाराणसी मनोज प्रसाद वर्मा ने बताया कि अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात), कमिश्नरेट वाराणसी की ओर से 18 अगस्त को भेजे गए पत्र के आधार पर कार्रवाई की गई। मोटर वाहन अधिनियम-1988 की धारा 53 के प्रावधानों के तहत संबंधित वाहनों का पंजीयन निलंबित किया गया है। विभाग द्वारा जारी सूची में 1062 वाहनों के पंजीयन नंबर शामिल हैं। संबंधित वाहन स्वामियों को अपने वाहनों पर लंबित चालानों का शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए वाहन स्वामियों को यातायात पुलिस अथवा परिवहन कार्यालय में वाहन की आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस के साथ उपस्थित होकर लंबित मामलों का नियमानुसार शमन कराने को कहा गया है। एआरटीओ ने स्पष्ट किया कि पंजीयन निलंबित होने की अवधि में संबंधित वाहनों का सड़क पर संचालन नियमानुसार नहीं किया जा सकता। वाहन स्वामियों से अपने दस्तावेज दुरुस्त रखने और लंबित चालानों का तत्काल निस्तारण कराने की अपील की गई है। परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यातायात नियमों की बार-बार अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

## श्रावण मास के आखिरी सोमवार को ब्रह्मचारी कुटी में हुआ रुद्राभिषेक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में पावन श्रावण मास के आखिरी सोमवार को महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। प्रातः 4: 30 बजे से आचार्य अमित दीक्षित द्वारा मंत्रोच्चार के बीच दुग्धधारा से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कराया गया । इस दौरान शिव परिवार की पूजा अर्चना की गई। भगवान शिव को बिल्व पत्र, मदार के पुष्प अर्पित किए गए साथ ही भोलेनाथ का श्रृंगार भी किया गया। रुद्राभिषेक के बाद हवन हुआ और आरती के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि शिव परम कल्याणकारी हैं। शिव की आराधना से दैहिक, दैविक और भौतिक तापों का शमन हो जाता है। श्रावण मास में शिव की भक्ति से अंत गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। रुद्राभिषेक के माध्यम से सभी जीवों के कल्याण के लिए शिव से प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विकास भारती, सुशील पाल ,अशोक कुमार, ओम कुमार , अनमोल झा सहित तमाम शिव भक्त मौजूद रहे।

## 70 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा कवच को मजबूत करने आगे आया वाईएसएस फाउंडेशन

### आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ने और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वाईएसएस फाउंडेशन ने महागुन मिराबेला, सेक्टर-79, नोएडा स्थित क्लब हाउस में आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर का आयोजन किया। शिविर में 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई। फाउंडेशन की टीम ने पात्रता, पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने के संबंध में वरिष्ठ नागरिकों एवं उनके परिवारों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ जागरूकता पर जोर-शिविर का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य कार्ड का पंजीकरण कराना नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों को उनके स्वास्थ्य अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना भी रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित प्रश्न पूछे और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।वाईएसएस फाउंडेशन के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा, 'वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका स्वास्थ्य और सम्मान हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक पात्र वरिष्ठ नागरिक को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की सही जानकारी और समय पर मार्गदर्शन मिले, ताकि वे स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें।' उन्होंने कहा कि वाईएसएस फाउंडेशन का लक्ष्य सरकारी योजनाओं की जानकारी को समुदाय के अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना और जनभागीदारी के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, परिवारों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही। वाईएसएस फाउंडेशन ने भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता, सरकारी योजनाओं की पहुंच और जनसेवा से जुड़े अभियानों को व्यापक स्तर पर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

## आईएमएस लॉ कॉलेज में ओरियंटेशन का आयोजन,न्यायपालिका और कानून के दिग्गजों ने छात्रों का किया मार्गदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस लॉ कॉलेज में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन कानून और न्यायपालिका के प्रतिष्ठित अतिथियों एवं विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर दिल्ली ज्यूडिशियल अकादमी के पूर्व निदेशक मनमोहन शर्मा, उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता एवं लीगल एक्सपर्ट डॉ. के.एस. भाटी तथा रंजन कपूर ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को विधि के क्षेत्र में सफलता के लिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और व्यावहारिक ज्ञान के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शम्भूनाथ श्रीवास्तव ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधि शिक्षा केवल एक पेशे की तैयारी नहीं है, बल्कि यह समाज में न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों की स्थापना का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील और नैतिक अधिवक्ता बनने के लिए प्रेरित किया। ओरिएंटेशन के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि कानून के अध्ययन में केवल पुस्तकीय ज्ञान हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है। किसी भी विधि छात्र के लिए यह आवश्यक है कि वह समाज, न्याय और नैतिक मूल्यों से गहराई से जुड़कर सोचे और उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करे। उन्होंने कहा कि एक सफल अधिवक्ता या विधि विशेषज्ञ वही बन सकता है, जो किताबों से मिले ज्ञान को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़कर व्यावहारिक समाधान निकालने की क्षमता विकसित करे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को प्रेरित करते हुए आईएमएस के सलाहकार प्रोफेसर डॉ. जेके शर्मा ने कहा कि विधि की शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल करियर बनाना नहीं है, बल्कि न्याय की रक्षा करना, सामाजिक समानता को बढ़ावा देना और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करना है।

इसलिए आवश्यक है कि छात्र अपने व्यक्तित्व में संवेदनशीलता, नैतिकता, तर्कशक्ति और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करें, तभी वे भविष्य में न्याय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में योगदान दे पाएंगे।

आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में नए विद्यार्थियों को विधिक शिक्षा की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। उनके साथ शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं की तैयारी की चर्चा की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान विधि क्षेत्र के शिक्षाविद और विशेषज्ञ छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे तथा उन्हें करियर निर्माण, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करेंगे।

## सामाजिक संस्था की पहल, 80 जरूरतमंद महिलाओं को बांटी साड़ियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सैदपुर। शनिवार की शाम दौलतपुर में जय मां राजकुमारी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग संस्था अमृता सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में साड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की 80 जरूरतमंद एवं असहाय महिलाओं को साड़ियां वितरित कर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा की गईं। कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि त्योहार केवल खुशियां मनाने का अवसर ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों की मदद करने और समाज में आपसी सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का भी अवसर है। इसी उद्देश्य से संस्था की ओर से समय-समय पर महिलाओं, गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के लिए सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जय माँ राजकुमारी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के संस्थापक ज्योति पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सहयोग के लिए आगे भी इस तरह के कार्यक्रम जारी रहेंगे। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साड़ी वितरण के दौरान महिलाओं के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। साड़ी प्राप्त करने वाली महिलाओं ने अमृता सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संस्थापक शुभम मोदनवाल ने कहा कि हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन के अवसर पर चलाए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यक्रमों के तहत आगे भी जरूरतमंद महिलाओं और परिवारों की सहायता की जाएगी। वितरण के बाद इस अवसर पर उन्हें सम्मान और सहयोग मिलने से उन्हें काफी खुशी हुई है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना की। संस्था की ओर से बताया गया कि हरियाली तीज एवं रक्षाबंधन के अवसर पर चलाए जा रहे सामाजिक सेवा कार्यक्रमों के तहत आगे भी जरूरतमंद महिलाओं और परिवारों की सहायता की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और महिला सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है।

## भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने वितरित किए निःशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड,गोपाल नमो सेवा केंद्र ने सेक्टर 34 स्थित कम्युनिटी सेंटर में किया 32 वें निःशुल्क शिविर का आयोजन

### निःशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड पाकर खिल उठे लाभार्थियों के चेहरे, बुजुर्गों और अंत्योदय के लक्ष्य को पूरा कर रहा गोपाल नमो सेवा केंद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के नेतृत्व में चल रहे गोपाल नमो सेवा केंद्र के माध्यम से फेडरेशन ऑफ आरडब्लूए सेक्टर-34 स्थित कम्युनिटी सेंटर में 32 वें मेगा निःशुल्क आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने सभी लाभार्थियों को आयुष्मान और ई-श्रम कार्ड देकर जनपद में आयुष्मान से सम्बंधित सभी अस्पतालों की जानकारी दी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के नेतृत्व में कई जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। लेकिन सही जानकारी और मामूली संसाधनों के उचित प्रबंधन के न होने के कारण एक बड़ा पात्र वर्ग वंचित रह जाता है। कार्ड वितरण के बाद उपस्थित लाभार्थियों और अन्य लोगों को पीएम स्वनिधि, सुकन्या समृद्धि, जीवन ज्योति सुरक्षा बीमा, किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, युवा उद्यमी ,विधवा पेंशन, शादी अनुदान, सामूहिक विवाह योजना, दिव्यांग पेंशन, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, सुमंगला, पीएम सूर्य मुफ्तः हर घर बिजली योजना , रूफ टॉप गार्डनिंग योजना सहित 50 से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कैंप के आयोजन में मुख्य भूमिका फेडरेशन ऑफ आरडब्लूए सेक्टर-34 नोएडा की टीम से अध्यक्ष के. के. जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार राय, उपाध्यक्ष वेद. एम. मुंशी, महासचिव धर्मेंद्र शर्मा और कोषाध्यक्ष सीएमए एम सी भारद्वाज जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही जिसमें कुल 93 लोगों ने सहभागिता की और 34 लोगों के आयुष्मान कार्ड और 9 लोगों को ई श्रम कार्ड देकर लाभान्वित किया गया। बाकी जो लोग अन्य योजनाओं से पात्र पाए गए हैं उन्हें जल्द ही उनकी पात्रता के अनुसार नोएडा सी 62, सेक्टर 65 स्थित कैंप कार्यालय पर रोजाना कार्य दिवस में संबंधित कार्यों को पूरा करवाकर जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर आतंकवाद विरोधी संगठन के जिलाध्यक्ष हरवीर यादव और मशहूर खिलौना कारोबारी पवन अग्रवाल सहित समस्त गोपाल नमो सेवा केंद्र के स्वयंसेवक मौजूद रहे।

## रायबरेली में राना बेनी माधव सिंह स्मारक का भव्य लोकार्पण, अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार व वीरा पासी की प्रतिमा लगाने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने एवं अमर शहीदों के बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रायबरेली को बड़ी सौगात दी गई है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने राना बेनी माधव सिंह स्मारक का लोकार्पण करते हुए देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार एवं शहीद वीरा पासी की प्रतिमाएं स्मारक परिसर में स्थापित किए जाने के निर्देश पर्यटन विभाग को दिए। मुख्यमंत्री जी ने रायबरेली को 'कलम और कृपाण की धरती' बताते हुए कहा कि इस जनपद का स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रदेश सरकार स्वतंत्रता सेनानियों और उनके बलिदान को सम्मान देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा पहली बार स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लगभग 50 करोड़ रुपये की विकास योजनाएं रायबरेली को समर्पित की गई हैं। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने नेहरू नगर रेलवे क्रासिंग स्थित राना बेनी माधव सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत फिरोज गांधी कॉलेज में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने लगभग 50 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे। राना बेनी माधव सिंह स्मारक के लोकार्पण अवसर पर सेवारत स्वर्णकार संस्थान, रायबरेली सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार के शहीद स्थल मन्हेरु के विकास एवं उसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की मांग को लेकर प्रदेश सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह को मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में मन्हेरु शहीद स्थल के सौंदर्यीकरण, विकास तथा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी ऐतिहासिक स्मृतियों को संरक्षित कर उसे पर्यटन मानचित्र से जोड़ने की मांग की गई। पर्यटन मंत्री श्री जयवीर सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा राना बेनी माधव सिंह स्मारक में अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार एवं शहीद वीरा पासी की प्रतिमा स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग द्वारा दिसंबर तक दोनों प्रतिमाएं स्थापित कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार के शहीद स्थल मन्हेरु के विकास एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में भी आवश्यक कार्य कराया जाएगा।इस निर्णय से स्वर्णकार समाज में विशेष उत्साह है। सेवारत स्वर्णकार संस्थान के अध्यक्ष श्री गोविन्द सोनी, उपाध्यक्ष श्री रजत कुमार सोनी, महासचिव श्री प्रमोद कुमार वर्मा, संरक्षक श्री भौमेष कुमार स्वर्णकार, डॉ. सियाराम वर्मा, श्री पारसनाथ, श्री पुरुषोत्तम, श्री संतोष कुमार सोनी सहित अनेक प्रमुख समाजबंधुओं ने प्रदेश सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया। वहीं स्वर्णकार संघ के जिला अध्यक्ष श्री शिव नारायण सोनी के नेतृत्व में करीब एक दर्जन समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी शहीद स्थल मन्हेरु को विकसित करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधियों ने कहा कि अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी का इतिहास और उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। मन्हेरु शहीद स्थल को विकसित कर पर्यटन से जोड़ने से उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। कार्यक्रम में रायबरेली के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सचान, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री मनोज पाण्डेय, उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह, सदर विधायक श्रीमती अदिति सिंह, सलोन विधायक श्री अशोक कोरी, राना बेनी माधव सिंह स्मारक समिति के अध्यक्ष श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक श्री इन्देश विक्रम सिंह तथा पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया। रायबरेली में राना बेनी माधव सिंह स्मारक के लोकार्पण तथा अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार एवं शहीद वीरा पासी की प्रतिमा स्थापित किए जाने के निर्णय को जिले के लोगों ने ऐतिहासिक पहल बताया है। लोगों का कहना है कि इससे रायबरेली के गौरवशाली स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को नई पहचान मिलेगी और युवा पीढ़ी को देशभक्ति एवं राष्ट्रसेवा की प्रेरणा प्राप्त होगी। सेवारत स्वर्णकार संस्थान, रायबरेली ने इस ऐतिहासिक एवं सराहनीय पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार की स्मृति को सम्मान मिलना पूरे स्वर्णकार समाज के लिए गौरव का विषय है। संस्थान ने विश्वास व्यक्त किया कि मन्हेरु शहीद स्थल के विकास एवं पर्यटन से जुड़ने के बाद अमर शहीद लाल चंद स्वर्णकार के बलिदान की गाथा देश-दुनिया तक पहुंचेगी।

## मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए 25.28 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत मुख्यमंत्री जी ने दी स्वीकृति

**निर्माण के लिए धनराशि की मंजुरी मिलने पर जनपद वासियों में खुशी की लहर,जामपानी में 25.28 करोड़ से बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय,12 से 15 एकड़ में विकसित होगा आधुनिक शैक्षिक परिसर, प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक की होगी पढ़ाई, जनपद वासियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के दुद्धी तहसील क्षेत्र के ग्राम जामपानी में बच्चों को आधुनिक और समेकित शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए 25.28 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री द्वारा मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने पर जनपदवासियों ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत बनने वाले मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय आधुनिक और समेकित शैक्षिक परिसर के रूप में तैयार किया जाएगा। सरकार

की परिकल्पना के अनुसार इस विद्यालय में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा एक ही परिसर में उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय को लगभग 12 से 15 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किया जाएगा। विद्यालय में लगभग 1500 विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय बच्चों के उज्जवल भविष्य का आधार बनेगा। कंपोजिट विद्यालय में आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं होंगी उपलब्ध-जिलाधिकारी ने बताया कि कंपोजिट विद्यालय को आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं से युक्त संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों को एक ही परिसर में शैक्षणिक, शारीरिक, कौशल एवं सह-पाठ्यचर्या संबंधी विकास का बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। बताते चलें कि जामपानी में इस स्तर का विद्यालय स्थापित होना एससी एसटी बाहुल्य दुद्धी क्षेत्र के ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आधुनिक भवन और शैक्षिक संसाधनों के साथ विद्यालय में प्रस्तावित कौशल, खेल और अन्य सुविधाएं प्रभावी ढंग से संचालित होती हैं तो यह क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

## सोनभद्र में आरटीई के तहत 1730 वंचित बच्चों को मिल रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,योगी सरकार में पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया से बढ़ी पहुंच

## निजी विद्यालयों को प्रतिपूर्ति के रूप में 7.50 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही सरकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार की पहल का सोनभद्र में सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जिले में वर्तमान में 1730 वंचित बच्चों को निजी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल रहा है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार ने आरटीई के तहत पात्र बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया को पारदर्शी और ऑनलाइन बनाया

है। इसका परिणाम यह हुआ है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए अच्छे निजी विद्यालयों में शिक्षा हासिल करने के अवसर तेजी से बढ़े और वर्तमान में 1730 वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन, सत्यापन और लॉटरी की पारदर्शी व्यवस्था ने पात्र बच्चों को बिना किसी भेदभाव के शिक्षा का अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार की इस व्यवस्था से उन परिवारों को सबसे अधिक राहत मिली है, जो आर्थिक कारणों से अपने बच्चों को बेहतर निजी विद्यालयों में पढ़ाने में सक्षम नहीं थे। आरटीई के माध्यम से ऐसे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अवसर मिलने से उनके भविष्य को नई दिशा मिल रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि वंचित बच्चों की शिक्षा का खर्च सरकार स्वयं वहन कर रही है। इसके तहत सोनभद्र में निजी विद्यालयों को आरटीई के अंतर्गत पढ़ रहे बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति के रूप में हर साल करीब 7.50 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इससे जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, वहीं निजी विद्यालयों को भी सरकार की ओर से निर्धारित प्रतिपूर्ति प्राप्त हो रही है। योगी सरकार की इस पहल को सामाजिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक असमानता को कम करने और गरीब परिवारों के बच्चों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

## 8 माह की गर्भवती महिला ने फांसी लगाकर दी जान,बीजपुर में मायके पक्ष ने निष्पक्ष जांच की मांग करि

सोनभद्र। सोनभद्र के बीजपुर में थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सिरसोती के टोला पुनर्वास में रविवार रात एक गर्भवती महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर एनटीपीसी रिहंद के धनवंतरी चिकित्सालय में रखवा दिया। परिजनों के अनुसार, खुशबू (22) पत्नी सोनू कुमार भारती ने अपने घर में लकड़ी के बड़ेर से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। मृतका के पति सोनू कुमार भारती ने बताया कि रविवार शाम करीब 8 बजे वह पत्नी से बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। जब वह वापस लौटे तो कमरा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज देने और दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला, तो उन्होंने घर के ऊपर चढ़कर देखा। वहां उनकी पत्नी फांसी पर लटकी हुई थीं। पति के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरबी 112 की टीम की मदद से खुशबू को फांसी से

उतारा गया और आनन-फानन में धनवंतरी चिकित्सालय ले जाया गया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की मां शान्ति पत्नी रामचंदर, निवासी नधिरा ने बताया कि उनकी बेटी की शादी एक साल पहले हुई थी। उन्होंने रविवार को दिन में अपनी बेटी से बात की थी। इसके बाद दामाद ने मोबाइल बंद कर दिया। रविवार रात करीब 2 बजे उन्हें फोन आया कि उनकी बेटी ने फांसी लगा ली है। मां ने आरोप लगाया कि उनके पहुंचने से पहले ही शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी बेटी आठ महीने की गर्भवती थी।शान्ति देवी ने कहा कि उन्हें बेटी की मौत कैसे हुई, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर निष्पक्ष जांच करने और घटना का पर्दाफाश करने की गुहार लगाई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतका की मां ने तहरीर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## निकली कलश यात्रा,108 कन्याओं ने किया 12 ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक

**जयकारे से गुंजायमान रहा समूचा कार्यक्रम स्थल,प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण,रामगढ़ कसारी स्थित रामसरोवर पर मंदिर परिसर में चल रहा है आयोजन**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामगढ़ कसारी स्थित रामसरोवर पर मंदिर प्रांगण में 12 ज्योतिर्लिंग पर 108 कन्याओं

द्वारा जलाभिषेक किया गया। तियरा ब्रह्मबाबा मंदिर स्थित तालाब से कलश में जल लेकर डीजे की धुन पर नाचते हुए 108 कन्याओं के साथ ही शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के लोगों ने खूब जयकारे लगाया। आचार्य अमरेश मिश्र, एवं दशरथ शुक्ला द्वारा रुद्राभिषेक पूजन कराया गया। आरती पूजन के दौरान समूचा स्थल जयकारों से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि पूरे सावन माह भर आचार्य अमरेश मिश्र द्वारा रुद्राभिषेक पूजन व आरती कराया जा रहा है। यह रुद्राभिषेक कार्यक्रम 28 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि तियरा ब्रह्मबाबा मंदिर स्थित तालाब से 108 कन्याओं द्वारा कलश में जल भरकर एवं शिव शक्ति महिला मंडल व भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट के लोगों द्वारा डीजे की धुन पर नाचते हुए खूब जयकारे लगाए गए। इस दौरान 6 महिलाओं ने तलवार लेकर प्रदर्शन किया। समूचा रास्ता जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भिखारी बाबा ने रुद्राभिषेक में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का आग्रह किया है। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, अजय सिंह, किरन मोदनवाल, उर्मिला केशरी, लीलावती, प्रियंका गुप्ता, राजपति, राधिका केशरी, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, प्रहलाद, रामरक्षा, राजेंद्र महाराज, रामखेलावन, परमानंद, रमेश कुमार, कालो देवी, विमला देवी, मीरा, रितु यादव, हीरा सिंह आदि मौजूद रहे।

## विद्यालय एवं कोतवाली में रक्षाबंधन के साथ दिया नशामुक्ति एवं श्रेष्ठ गुणों का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा

सोनभद्र द्वारा राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदितपुर सुर्रा एवं कोतवाली में विशेष रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों स्थानों पर कुल 110 लोगों को राखी बांधकर पवित्रता, नशामुक्ति एवं श्रेष्ठ जीवन का संदेश दिया गया। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदितपुर सुर्रा में 85 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राखी बांधी गई। मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी सुमन दीदी ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि राखी केवल कलाई पर बांधा जाने वाला धागा नहीं, बल्कि स्वयं को बुराइयों से मुक्त करने का पवित्र संकल्प है। कोतवाली में 25 अधिकारिगण को राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान एवं शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों को भी नशामुक्त एवं श्रेष्ठ जीवन का संदेश देते हुए समाज को नशे और अन्य बुराइयों से मुक्त कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। ब्रह्माकुमारी बहनें रक्षाबंधन के अवसर पर किसी भी प्रकार का उपहार स्वीकार नहीं करतीं। उनके लिए सबसे बड़ा उपहार यही है कि भाई-बहन अपने जीवन की किसी कमी, कमजोरी, विकार या मादक पदार्थ के सेवन को छोड़ने का संकल्प लें। इसी उद्देश्य से उपस्थित लोगों से संकल्प पत्र लेकर बुराइयों का त्याग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में क्रोध, अहंकार, लोभ, मोह, ईर्ष्या एवं नशे जैसी कमजोरियों और विकारों का दान करने तथा प्रेम, शांति, पवित्रता, अनुशासन, करुणा, सद्भावना और मधुरता जैसे श्रेष्ठ गुणों को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी गई। ब्रह्माकुमारी सुमन दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन का वास्तविक संदेश है–'बुराइयों का दान, श्रेष्ठ गुणों का धारण और नशामुक्त जीवन का संकल्प।' युवा शक्ति एवं समाज के जिम्मेदार नागरिक यदि नशे से दूर रहकर दूसरों को भी प्रेरित करें, तो स्वस्थ, संस्कारवान और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से नशामुक्त भारत अभियान को भी गति देने का आह्वान किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कोतवाली के अधिकारियों ने श्रेष्ठ जीवन एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी श्री धर्मेंद्र सिंह जी नें ब्रह्माकुमारी संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था द्वारा किए जा रहे मानव सेवा के कार्य सराहनीय है। निरिक्षक श्री डीदएनद यादव,निरिक्षक श्री बनारसी यादव, उप निरीक्षक श्री राम अवध, उप निरीक्षक श्री दीनानाथ, उप निरीक्षक श्री अजय सिंह,उप निरीक्षक श्री शिवानंद, उप निरीक्षक श्री ओमप्रकाश,उप निरीक्षक श्री योगेंद्र पांडे, उप निरीक्षक श्री रणजीत सिंह,हेड कांस्टेबल श्री धनेश यादव, हेड कांस्टेबल श्री सत्येंद्र,महिला हेड कांस्टेबल श्री मति पम्मी, कांस्टेबल श्री मति पूजा । महिला कांस्टेबल श्री मति सुमन लता बहन नें ब्रह्माकुमारी बहनो का पुष्प व माला से स्वागत किया,ब्रह्माकुमारी सुमन दीदी नें गुलदस्ता देकर थाना प्रभारी श्री धर्मेंद्र सिंह का स्वागत किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे बी के सीता, बी के कविता व गायत्री बहन,का सक्रिय योगदान रहा।

## महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों की राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने की जनसुनवाई, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

**महिला कल्याण एवं जनहितकारी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा, पात्र महिलाओं एवं बालिकाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर,विंध्य कन्या पीजी कॉलेज पहुंचीं आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी एवं सदस्य गीता विश्वकर्मा, छात्राओं से किया संवाद,शिक्षित, जागरूक एवं आत्मनिर्भर बेटियां सशक्त समाज की मजबूत नींवकृउपाध्यक्ष, राज्य महिला आयोग**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष मा0 श्रीमती चारू चौधरी एवं सदस्य मा0 श्रीमती गीता विश्वकर्मा ने

सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की तथा जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। जनसुनवाई के दौरान मा0 उपाध्यक्ष ने महिलाओं से संबंधित प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों का त्वरित, संवेदनशील एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें आवश्यक सहायता समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। बैठक में महिला कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, महिला हेल्पलाइन-181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी पहुंचे और उन्हें समय से लाभ प्राप्त हो सके। उपाध्यक्ष एवं सदस्य ने समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, ओडीओपी योजना, आश्रम पद्धति विद्यालयों में प्रवेश एवं उपलब्ध सुविधाओं, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की भी समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों से इन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।मा0 उपाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र महिला तक पहुंचना चाहिए। महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिला जनसुनवाई कार्यक्रमों को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने जनपद में महिला अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। इसके उपरांत राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी एवं सदस्य मा0 श्रीमती गीता विश्वकर्मा ने उरमौरा स्थित विंध्य कन्या पीजी कॉलेज का भ्रमण किया।

महाविद्यालय पहुंचने पर कॉलेज प्रशासन एवं शिक्षिकाओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। दोनों पदाधिकारियों ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनकी शिक्षा, सुरक्षा, अधिकारों, आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में निडर होकर संबंधित अधिकारियों एवं उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

उपाध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए शिक्षा के साथ जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

शिक्षित, जागरूक एवं आत्मविश्वासी बेटियां ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज की मजबूत नींव तैयार करती हैं। इस अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती इन्द्रावती कुमारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विनीत सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय भ्रमण के दौरान प्राचार्या, शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

## विद्यालयों की समस्याएं लंबित न रहें, विभागीय समन्वय से समयबद्ध समाधान कराएं-जिलाधिकारी

**जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक में शिक्षा व्यवस्था एवं विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की,खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों से रखें नियमित संवाद, विद्यालय स्तर की समस्याओं पर हो त्वरित कार्यवाही,डीएमएफ फंड से कराए जा रहे कार्यों का होगा सत्यापन, गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश,विद्युतीकरण से वंचित विद्यालयों में प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जाए विद्युत सुविधा,**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने जिला शिक्षा अनुश्रवण

समिति एवं जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित योजनाओं, विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं कराए जा रहे विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय स्तर पर आने वाली समस्याओं की समय से पहचान और उनका विभागीय समन्वय से समाधान बेहद जरूरी है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी विद्यालय में मूलभूत सुविधा अथवा अन्य किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो संबंधित शिक्षक उसे अपने स्तर तक सीमित न रखें। तत्काल अपने उच्चाधिकारी के संज्ञान में लाएं, ताकि समयबद्ध कार्यवाही करते हुए समस्या का समाधान कराया जा सके। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र के शिक्षकों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें और विद्यालयों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी लेकर उनके समाधान की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों एवं शिक्षकों के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए विद्यालय तक बेहतर पहुंच मार्ग का होना आवश्यक है। इस दिशा में संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। डीएमएफ फंड के कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष नजर-जिलाधिकारी ने डीएमएफ फंड से विद्यालयों में कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इन कार्यों का स्थलीय सत्यापन कराने और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराया जाए। कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। विद्युतीकरण से वंचित विद्यालयों को प्राथमिकता-विद्यालयों में विद्युत सुविधा की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में अब तक विद्युतीकरण नहीं हो सका है, उन्हें प्राथमिकता पर लेते हुए आवश्यक कार्यवाही पूरी की जाए। विद्यालयों में बिजली सहित अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे बच्चों को बेहतर एवं सुविधाजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विद्यालय, ब्लॉक, तहसील एवं जनपद स्तर पर प्रभावी समन्वय जरूरी है। विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं को समय से संज्ञान में लेकर उनका व्यावहारिक और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

# स्पोर्ट्स

## जायसवाल की श्रीलंकाई बॉलर से झड़प, सिर से धक्का मारा,कलाई पर चोट के बाद पंत रिटायर्ड हर्ट, गिल के 3 हजार टेस्ट रन

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन 5 विकेट पर 300 रन बनाए। कोलंबो में खेले जा रहे मुकाबले में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच बहस हुई। जायसवाल के आउट होने के बाद दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि उन्होंने अपना सिर फर्नांडो के सिर से टकरा दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कलाई पर चोट लगने के बाद 3 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हुए। उनकी जगह रवींद्र जडेजा बल्लेबाजी के लिए आए। इससे पहले शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 3 हजार रन पूरे किए। पहले दिन बने मोमेंट्स-रिकॉर्ड्सः-1. जायसवाल और असिथा फर्नांडो में बहस-पहले दिन असिथा फर्नांडो और यशस्वी जायसवाल के बीच हुई बहस चर्चा में रही। 17वें ओवर में जायसवाल ने तीन चौके लगाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद फर्नांडो ने उनसे कुछ कहा। पवेलियन लौट रहे जायसवाल पलटकर फर्नांडो के पास आए। दोनों के बीच तीखी बहस हुई। इसी दौरान जायसवाल ने अपना हेलमेट फर्नांडो के सिर से टकरा दिया। मामला बढ़ता देख श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डि-

सिल्वा ने बीच-बचाव किया और दोनों को अलग किया। जायसवाल पर क्या कार्रवाई हो सकती है? क्रिकेट में अपराध तय करने के लिए चार लेवल होते हैं। मैच रेफरी तय करेंगे कि जायसवाल की घटना किस लेवल के ऑफेंस के तहत आती है। संभावना है कि जायसवाल को लेवल-1 से लेवल-3 तक के अपराध का दोषी माना जा सकता है। 2. पंत हाथ पर गेंद लगने के बाद रिटायर्ड हर्ट- 58वें ओवर में श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा की बाउंसर ऋषभ पंत की कलाई पर लगी। इसके बाद पंत दर्द में दिखाई दिए। फिजियो मैदान पर आए और उनकी कलाई पर बर्फ लगाई, लेकिन दर्द कम नहीं हुआ। इसके बाद पंत को 3 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा।3. दिन के आखिरी ओवर में बोल्ड हुए जडेजा-रवींद्र जडेजा दिन के खेल के आखिरी ओवर में क्लीन बोल्ड हो गए। 85वें ओवर में असिथा फर्नांडो की पहली गेंद को जडेजा ने छोड़ दिया। उन्हें लगा कि गेंद सीधी निकल जाएगी, लेकिन गेंद अंदर की ओर आई और उनके ऑफ-स्टंप से जा टकराई। जडेजा ने 43 रन बनाए। इसके बाद डेब्यू कर रहे सारांश जैन ने पांच गेंदें खेलीं। यहां से रिकॉर्ड्सः-1. आईपीएल खेले बिना इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले तीसरे भारतीय बने सारांश-सारांश जैन आईपीएल खेले बिना भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले मुरली विजय ने 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट और मोहम्मद शमी ने 2013 में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2. गिल ने कपिल देव को पीछे छोड़ा-शुभमन गिल ने 26 साल 349 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में अपने 3 हजार रन पूरे किए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने कपिल देव को पीछे छोड़ दिया। कपिल देव ने 26 साल 356 दिन की उम्र में 3 हजार टेस्ट रन पूरे किए थे। सबसे कम उम्र में 3 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीयों में सचिन तेंदुलकर पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 23 साल 228 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। 3. पडिक्कल और गिल के बीच 120 रन की शतकीय साझेदारी-देवदत्त पडिक्कल और शुभमन गिल ने तीसरे विकेट के लिए 120 रन की शतकीय साझेदारी की। 2019 के बाद से भारत के लिए नंबर-3 और नंबर-4 के बल्लेबाजों के बीच यह सिर्फ तीसरी शतकीय साझेदारी है। इससे पहले 2024 में विराट कोहली और सरफराज खान, जबकि 2022 में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने तीसरे और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतकीय साझेदारी की थी। 4. पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया-पडिक्कल विदेशी दौरे पर लगातार दो टेस्ट शतक जड़ने वाले सिर्फ दूसरे नंबर-3 भारतीय बल्लेबाज बने। उनसे पहले पुजारा ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लगातार दो शतक लगाए थे।

## दिल्ली में 8 गुना बढ़े एच1एन1 के केस-इन 7 लक्षणों को इग्नोर न करें, डॉक्टर से जानें बचाव के लिए जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। दिल्ली में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 20 अगस्त तक इसके 1,777 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। पिछले साल इस समय तक यह संख्या सिर्फ 229 थी। यानी एक साल में मामलों की संख्या करीब 8 गुना हो गई है। 'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' (डब्लूएचओ) के अनुसार, एच1एन1 'इन्फ्लूएंजा ए' वायरस का एक प्रकार है, जो एच3एन2 समेत दूसरे फ्लू वायरस के साथ फैलता है। इसके लक्षण रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन जैसे हो सकते हैं। ऐसे में एच1एन1 के बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में एच1एन1 इन्फ्लूएंजा के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- एच1एन1 इन्फ्लूएंजा के लक्षण क्या हैं? किन लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है? इससे बचाव के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- एच1एन1 इन्फ्लूएंजा क्या है? जवाब- यह एक इनफेक्शियस डिजीज है, जो इन्फ्लूएंजा ए (एच1एन1) वायरस के कारण होता है। यह वायरस मुख्य रूप से नाक, गले और फेफड़ों को संक्रमित करता है। यह वायरस उन फ्लू वायरस से मिलता-जुलता है, जो सूअरों में पाए जाते हैं। इसलिए इसे बोलचाल में 'स्वाइन फ्लू' भी कहा जाता है। सवाल- क्या यह कोई नई बीमारी है? जवाब- नहीं, इसका नया स्ट्रेन पहली बार अप्रैल 2009 में अमेरिका में मिला था। इसके बाद यह तेजी से दुनिया के कई देशों में फैला और डब्लूएचओ ने इसे महामारी घोषित कर दिया। उस समय लाखों लोग संक्रमित हुए थे और दुनिया भर में लगभग 1.5 लाख लोगों की मौत हुई थी। इनमें लगभग 80फीसदी लोगों की उम्र 65 वर्ष से कम थी। आज एच1एन1 मौसमी फ्लू (सीजनल फ्लू) का हिस्सा बन चुका है और समय-समय पर इसके मामले बढ़ते रहते हैं। सवाल- एच1एन1 के शुरुआती लक्षण क्या हैं? जवाब- इसके लक्षण सामान्य फ्लू जैसे ही होते हैं। वायरस के संपर्क में आने के लगभग 3-5 दिनों के भीतर ये लक्षण विकसित हो सकते हैं। ज्यादा थकान शरीर/मांसपेशियों में दर्द एच1एन1 फ्लू के शुरुआती लक्षण बुखार, ठंड लगना, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द।सवाल- एच1एन1 फ्लू और सामान्य वायरल फ्लू में क्या अंतर है? जवाब- एच1एन1 भी फ्लू वायरस का ही एक प्रकार है, इसलिए इसके शुरुआती लक्षण सामान्य वायरल फ्लू जैसे ही होते हैं। केवल लक्षण से दोनों में फर्क नहीं समझा जा सकता है। एच1एन1-फ्लूः-इन्फ्लूएंजा ए (एच1एन1) वायरस, तेज बुखार, शरीर दर्द रिस्क ज्यादा, आरटी-पीसीआर टेस्ट, 10-12 दिन से ज्यादा समय। सामान्य फ्लूः-विभिन्न प्रकार के वायरस, लक्षण हल्के, मध्यम रिस्क, कम टेस्ट जरूरी नहीं, 5-7 दिन में सुधार। सवाल- एच1एन1 एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कैसे फैलता है? जवाब- इसका संक्रमण इन तरीकों से फैल सकता है- संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से। संक्रमित व्यक्ति के करीब रहने से। वायरस लगी सतह या वस्तु को छूने के बाद आंख, नाक या मुंह छूने से। भीड़भाड़ और बंद जगहों में लंबे समय तक रहने से। हैरानी की बात यह है कि संक्रमित व्यक्ति को बीमारी के लक्षण दिखने से पहले भी दूसरों में संक्रमण फैल सकता है। सवाल- एच1एन1 से सबसे ज्यादा रिस्क किन लोगों को है? जवाब- इसका वायरस किसी को भी संक्रमित कर सकता है, लेकिन कुछ लोगों में इसके गंभीर होने का रिस्क ज्यादा होता है। किन्हें ज्यादा रिस्क है, एच1एन1 का रिस्क इन्हें ज्यादाः- जिनकी उम्र 5 साल से कम है। जिन्हें कोई हेल्थ कंडीशन है। जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। जिन्हें लंग्स डिजीज है। जिन्हें डायबिटीज है। गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग (65से अधिक) सवाल- बारिश के मौसम में कौन-सी आदतें इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ाती हैं? जवाब- इसका सबसे बड़ा कारण वायरस का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक आसानी से पहुंचना है। रोजमर्रा की कई आदतें इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ाती हैं। इन आदतों से बढ़ता इन्फेक्शन का रिस्कः- भीड़भाड़ और बंद जगहों में रहना। बीमार होने पर भी बाहर निकलना। हाइजीन का ख्याल न रखना। हाथ धोए बिना चेहरे को छूना। संक्रमित व्यक्ति के आसपास रहना। खांसते-छींकते समय मुंह न ढंकना। सवाल- एच1एन1 की जांच कैसे होती है? जवाब- इसके लिए लैब टेस्ट होता है। जांच के लिए आमतौर पर नाक या गले से सैंपल लिया जाता है। आमतौर पर ये टेस्ट किए जाते हैं-आरटी-पीसीआर टेस्टः एच1एन1 की पुष्टि के लिए सबसे विश्वसनीय टेस्ट माना जाता है। रैपिड इन्फ्लूएंजा डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरआईडीटी ): कम समय में रिजल्ट देता है, लेकिन इसकी सटीकता आरटी-पीसीआर से कम हो सकती है। वायरल कल्चरः कुछ मामलों में वायरस की पहचान के लिए किया जाता है। सवाल- आरटी-पीसीआर का इलाज क्या है?जवाब- इसका इलाज मरीज के लक्षणों और बीमारी की गंभीरता पर निर्भर करता है। इलाज में आमतौर पर ये चीजें शामिल हो सकती हैं- पर्याप्त आराम करना। खूब पानी और अन्य फ्लूइड लेना। बुखार और दर्द के लिए डॉक्टर की सलाह से दवाएं लेना। गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ सकती है। कई लोग फ्लू के लक्षण दिखते ही खुद से एंटीबायोटिक लेना शुरू कर देते हैं। यह सही नहीं है। कभी भी डॉक्टर की सलाह के बगैर कोई एंटीबायोटिक न लें। सही पोटेंसी की दवा और डोज डॉक्टर ही बता सकते हैं। सवाल- आरटी-पीसीआर से बचाव के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का ख्याल रखें, जैसेकि-हैंड हाइजीन मेंटेन करें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकें। बार-बार आंख, नाक और मुंह छूने से बचें। बीमार लोगों के करीब संपर्क में आने से बचें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें। फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर घर पर रहें और दूसरों से दूरी बनाए रखें। डॉक्टर की सलाह पर फ्लू वैक्सीन लगवाएं। ये सावधानियां आरटी-पीसीआर के साथ-साथ अन्य इन्फेक्शन के रिस्क को भी कम करने में मदद करती हैं। सवाल- एच1एन1 से संक्रमित होने पर क्या खाना चाहिए? जवाब- ऐसे में शरीर को इन्फेक्शन से लड़ने और तेजी से रिकवरी के लिए पर्याप्त पोषण और फ्लूइड की जरूरत होती है। ऐसे में हल्का, पौष्टिक और आसानी से पचने वाला भोजन लेना बेहतर है। एच1एन1 से रिकवरी के लिए डाइट टिप्सः- पर्याप्त पानी पिएं। मौसमी फल- सब्जियां खाएं। खाने के साथ प्रोबायोटिक लें। विटामिन सी युक्त फल खाएं। सूप और अन्य तरल पदार्थ लें। हल्का और सुपाच्य भोजन करें। सवाल- बीमारी के दौरान किन चीजों से परहेज करना चाहिए? जवाब- कुछ चीजें एच1एन1 के संक्रमण को गंभीर बना सकती हैं या रिकवरी में देरी कर सकती हैं। इसलिए इनसे परहेज करना चाहिए, जैसेकि- तला-भुना और ज्यादा मसालेदार भोजन करना। जंक फूड और अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड खाना। स्मोकिंग करना। शराब पीना। बिना डॉक्टर की सलाह के दवाएं लेना। अपने मन से एंटीबायोटिक लेना। बीमारी के बावजूद आराम न करना।

## द्रोणाचार्य अवॉर्डी मलखंभ कोच पर पॉस्को में केस,16 साल की छात्रा के यौन शोषण का आरोप, बोली- वॉट्सएप पर मैसेज करके बुलाया था

स्पोर्ट डेस्क। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पॉस्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है। वॉट्सएप पर 'हाय' भेजकर जिम्नेजियम बुलाने का आरोपः-छात्रा ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार, 21 अगस्त की सुबह वह घर पर पढ़ाई कर रही थी। इसी दौरान मोबाइल पर कोच का वॉट्सएप मैसेज आया, जिसमें सिर्फ 'हाय' लिखा था। छात्रा ने भी जवाब में 'हाय' लिखा और अपनी मां को इसकी जानकारी दी। मां के कहने पर छात्रा ने कोच से मैसेज करने की वजह पूछी। शिकायत के मुताबिक कोच ने उससे पूछा कि वह कहां है और अगर फ्री हो तो जिम्नेजियम आकर उससे मिले। कई साल से कोच से ट्रेनिंग लेने के कारण छात्रा को लगा कि उसे जिमनास्टिक से जुड़ी किसी बात के लिए बुलाया गया है। इसके बाद वह जिम्नेजियम पहुंच गई। 1.कोच-एथलीट के बीच सेफ बाउंड्रीज जरूरी-कोच से बातचीत खुली और पारदर्शी जगह पर होनी चाहिए। नाबालिग एथलीट से निजी चैट पेशेवर और जरूरत तक सीमित हो। ट्रेनिंग के अलावा अकेले मिलने या निजी तौर पर बुलाने जैसी स्थितियों से बचना चाहिए। शारीरिक संपर्क केवल ट्रेनिंग की जरूरत और पेशेवर दायरे में होना चाहिए। निजी गिफ्ट, अनुचित समय पर बुलाना या जरूरत से ज्यादा निजी सवाल रेड फ्लैग हो सकते हैं। 2. पैरेंट्स के लिए गाइडः ट्रेनिंग सेंटर भेजते समय क्या देखें? कोच की योग्यता और अनुभव की जानकारी लें। सेंटर की चाइल्ड सेफ्टी पॉलिसी और शिकायत व्यवस्था के बारे में पूछें। बच्चे से नियमित पूछें कि ट्रेनिंग में सब ठीक चल रहा है या नहीं। बच्चे को समझाएं कि कोई व्यवहार असहज लगे तो तुरंत माता-पिता को बताएं। कोशिश करें कि बच्चा कोच के साथ बंद कमरे में अकेला न रहे। दरवाजा बंद करने को कहा, गोद में बैठाने का आरोप-शिकायत के अनुसार, छात्रा जिम्नेजियम पहुंची तो कोच वहां अकेला था। कोच ने छात्रा को चप्पल अंदर लाने और दरवाजा अंदर से बंद करने को कहा। इसके बाद दोनों के बीच कॉलेज और पढ़ाई को लेकर बातचीत हुई। छात्रा ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान कोच ने उसका बायां हाथ पकड़ा और उसे खींचकर अपनी गोद में बैठा लिया। जब उसने उठने की कोशिश की तो कोच ने पीछे से उसकी कमर पकड़ ली और उसके साथ छेड़छाड़ की। छात्रा ने कॉलेज में टीचर को बताई घटना-शिकायत के मुताबिक, छात्रा वहां से निकलकर सीधे कॉलेज पहुंची। परेशान देखकर उसकी सहेलियों ने उससे घटना के बारे में पूछा। इसके बाद उसने अपनी टीचर को पूरी बात बताई। टीचर ने परिवार को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजन छात्रा को लेकर पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। सीसीटीवी और वॉट्सएप चैट की जांच-मुंबई की पालें पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी कोच के खिलाफ पॉस्को एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस जिम्नेजियम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। जिम में हुई बातचीत को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है।

## महिला हॉकी वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंची टीम इंडिया,ऑस्ट्रेलिया से मैच ड्रॉ

### आखिरी 5 मिनट में गोलकीपर बाहर बुलाया, गोल नहीं आया

एम्सटेलवीन। भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी है। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ से पिछला गोल साउथ अफ्रीका के खिलाफ 18 अगस्त के मैच में हुआ था। उस में इंडिया 6-1 से जीत हासिल की थी। आखिरी का अच्छा मौका गंवाया। ऑस्ट्रेलिया के गोल डिस-अलाउड-ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी पर गोल किया। लेकिन, इसे डिस-अलाउड डिफेंस ने नाकाम कर दिया। जीत से सेमीफाइनल पहुंचती टीम इंडिया- अगर भारतीय टीम यह मैच जीत लेती, तो सेमीफाइनल में पहुंच जाती। क्योंकि, इससे पहले नीदरलैंड ने चीन को 4-1 हरा दिया था। इस ड्रॉ के बाद भारत, ऑस्ट्रेलिया और चीन के एक समान 2-2 अंक रहे। गोल अंतर में भी भारत और ऑस्ट्रेलिया बराबरी पर रहे। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ज्यादा गोल करने की वजह से टॉप-4 में पहुंची। दोनों टीमों का स्क्वॉडः-भारतः सलीमा टेटे (कप्तान), इशिका चौधरी, निक्की प्रधान, बिचु देवी खरिबाम (गोलकीपर), सविता (गोलकीपर), शिल्पी दाबस, लालरेमसियामी, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, इशिका, ज्योति, नवनीत कौर, सुशीला चानू पुखरामबम, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, रुताजा दादासो पिसाल, ललथंतलुआंगी, साक्षी राणा, ब्यूटी डुंग डुंग, दीपिका। ऑस्ट्रेलियाः ग्रेस स्टीवर्ट (कप्तान), क्लेयर कोलविल, मॉर्गन मैथिसन, एमी लॉटन, ग्रेस यंग, सारा बायर्न्स, अलीशा पावर (गोलकीपर), अबिगेल विल्सन, एलिस अर्नोट, मकायला जोन्स, स्टेफनी केरशॉ, कैटलिन नोब्स, कोर्टनी शॉनेल, लूसी शर्मन, अलाना कवानाघ, जोसेलिन बार्ट्म (गोलकीपर), कैरी सोमरविल, टैटम स्टीवर्ट, ओलिविया डाउन्स, मारियाह विलियम्स, नीसा फ्लिन।

जीत की जरूरत थी, लेकिन मैच 0-0 से ड्रॉ रहा और ऑस्ट्रेलिया टॉप-4 में पहुंच गई। एमस्टेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में भारतीय कोच ने आखिरी 5 मिनट के लिए गोलकीपर को भी बाहर बुला लिया था। ताकि, गोल के मौके बनाए जा सके। लेकिन, गोल नहीं आया। भारत लगातार तीसरे मैच में गोल नहीं कर सका है। उसे पिछले मुकाबले में नीदरलैंड ने 0-2 से हराया। जबकि, इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला गोलरहित ड्रॉ रहा था। भारतीय टीम की ओर क्वार्टर में मौका गंवाया-48वें मिनट में भारत के पास फील्ड गोल करने का अच्छा मौका था। लेकिन, तीन खिलाड़ियों के बीच कन्फ्यूजन के कारण गोल नहीं हुआ। यहां कप्तान सलीमा टेटे ने दाएं छोर पर बेहतरीन मूव बनाया और बॉल को लेकर तेजी से आगे बढ़ी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मिडफील्ड से क्रॉस भी दिया। डी के अंदर नवनीत, साक्षी और लालरेमसियामी एक-दूसरे के लिए गेंद छोड़ती रहीं। इस तालमेल की कमी के कारण भारत ने बढ़त कर दिया गया था। यहां पर भारत की डी के अंदर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के शॉर्ट को डेंजर प्ले माना गया था। 40वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के हमले के दौरान केरशॉ का शॉट शिल्पी के शरीर के ऊपरी हिस्से पर लगा और डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया। डी के अंदर घुटने के ऊपर की बॉल को डेंजर प्ले दिया जाता है। इस मैच में भारत का डिफेंस शानदार रहा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम को पेनल्टी कॉर्नर के 8 मौके मिले। इन सभी को भारतीय

# हमारे सामूहिक-विवेक को जगाती थीं पहले की फिल्में

बंटवारे पर एक कोर्स पढ़ाते समय मुझे यश चोपड़ा की फिल्म 'धर्मपुत्र' (1961) की याद आई और साहिर के गानों को सुनकर उसमें निहित दर्द और क्रोध की भावना को समझा। बंटवारे का

साया कई फिल्मों पर दिखाई देता है। फिल्म इंडस्ट्री के बहुत से लोग बंटवारे से सीधे तौर पर प्रभावित हुए थे। बंटवारे ने जो असर डाला, उसका फिल्मों में हमेशा ऐतिहासिक नजरिए से ही चित्रण नहीं किया गया है। गीतकारों, निर्देशकों और कहानीकारों ने इस उथल-पुथल पर दोस्ती, टूटे रिश्तों, रोमांस, शक-ओ-शुबहा और नफरत से हुई तबाही की कहानियां सुनाकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ऐसे गाने भी बनाए, जो साझा संस्कृति को दिखाते थे। मसलन, 'धर्मपुत्र' की ही यह कव्वाली, जिसे बलबीर और महेंद्र कपूर ने गाया था : 'काबे में रहो या काशी में / निस्बत तो उसी की जात से है / तुम राम कहो के रहीम कहो / मतलब तो उसी की बात से है / यह मस्जिद है वह बुतखाना / चाहे ये मानो चाहे वह मानो!' इस गाने के विजुअल्स पोस्टरों जैसे हैं, जिनमें कुछ लोग साफ तौर पर मुस्लिम और कुछ साफ तौर पर हिंदू दिखते हैं और बारी-बारी से गाना गाते हैं। हमें बताया जाता है कि काबा और काशी, राम और रहीम, मस्जिद और मंदिर एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि 'मतलब तो उसी की बात से है।' आस्था का मकसद एक ही है, चाहे हम किसी को भी मानें। यह आप पर है कि आप किस पर यकीन करते हैं। इसे बॉलीवुड के उस सेकुलरिज्म के एक रूप के तौर पर देखा जा सकता है, जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों के बीच भावनात्मक जुड़ाव दिखता है। इस तरह के गानों की एक और खासियत यह है कि इन्हें अक्सर सूफी दरगाहों में प्रदर्शित किया जाता है।इससे सूफीवाद और उसमें मौजूद मिली-जुली संस्कृति की संभावनाओं के बारे में लोगों की सोच को मजबूत करने में काफी मदद मिलती है। उपरोक्त गाना भी कहानी के मौजूदा घटनाक्रम के लिए प्रासंगिक भी है और कहानी को आगे बढ़ाने वाला भी। मैंने 'मौजूदा' शब्द सोच-समझकर इस्तेमाल किया है, क्योंकि फिल्म में दरगाह जाने से ही हुस्न बानो (माला सिन्हा) को अपने प्रेमी जावेद (रहमान) से दोबारा मिलने का मौका मिलता है। दरगाहें ऐसे कई मिलनों की गवाह रही हैं, जो शायद किसी और तरह मुमकिन नहीं हो पाते। 'धर्मपुत्र' आचार्य चतुरसेन के इसी नाम के उपन्यास से प्रेरित थी। चतुरसेन इस उपन्यास के बजाय अपने ऐतिहासिक लेखन के लिए ज्यादा जाने जाते थे। उपन्यास और फिल्म, दोनों की पृष्ठभूमि में भारत के 1920 के दशक के बाद के बड़े आंदोलन शामिल हैं। फिल्म की कहानी दिलीप के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक मुस्लिम बच्चा है, जिसे हिंदू माता-पिता ने पाला-पोसा है। यह यश चोपड़ा की ही एक और फिल्म 'धूल का फूल' (1959) में दिखाए गए उस हिंदू बच्चे की कहानी का ठीक उल्टा है, जिसे एक मुस्लिम माता-पिता ने पाला था। लेकिन दिलीप बड़ा होकर ऐसा नौजवान बनता है, जिसे मुसलमानों से नफरत है। वह हमें रबीन्द्रनाथ ठाकुर के किरदार 'गोरा' की याद दिलाता है, जो अपने माता-पिता के बारे में नहीं जानता था और मजेदार बात यह है कि वह अपने पालक हिंदू माता-पिता से भी ज्यादा कट्टर हिंदू था। अंत में, फिल्म हमें विभाजन के रक्तपात और दिलीप के खून के प्यासे गिरोहों में शामिल होने की ओर ले जाती है। इकबाल के 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' और खिलाफत के दौरान 'हिंदू मुस्लिम भाई-भाई' के नारों से शुरू होने वाली यह फिल्म 1930 और 1940 के दशक के चरम ध्रुवीकरण को दर्शाती है। एकजुटता का आह्वान करने वाले गीतों से लेकर सह-अस्तित्व का आग्रह करने वाले गीत तक, फिल्म का अंत एक ऐसे गीत से होता है, जो अपने शब्दों और संगीत में विभाजन की भयावह हिंसा को समाहित करता है। यह गीत पूछता है कि किसका खून बहा, किसका घर जला- नफरत के मलबे में क्या हम यह भी जान सकते हैं? क्या आप बता सकते हैं कि मुस्लिम खून हिंदू खून से अलग है? संगीत की लय और भी प्रबल हो जाती है, ताल और भी प्रभावशाली हो जाती है और साहिर के शब्द हमसे पूछते हैं- 'ये किसका लहू है कौन मरा?' इन गीतों को सुनकर मन भर आता है। बंटवारे के खून-खराबे के बावजूद हिंदी फिल्मों ने बुनियादी सवाल उठाकर हमारे विवेक को जगाया था।

लेकिन आज वही बॉलीवुड नफरत और मर्दानगी के विषम कॉम्बिनेशन वाली फिल्में बनाता है और हमारे अंदर के दानवों को प्रोत्साहित करता है। असल में साहिर का विषाद हमारा सामूहिक विषाद है।

गीतों के जरिये हम उसे याद करें, यह कमजोरी नहीं, दरअसल आज के वक्त में यह भी बगावत है! किसका खून बहा, किसका घर जला- नफरत के मलबे में क्या हम यह भी जान सकते हैं? क्या आप बता सकते हैं कि मुस्लिम खून हिंदू खून से अलग है? साहिर के शब्द हमसे यही सवाल पूछते हैं- 'ये किसका लहू है कौन मरा?' (ये लेखिका के अपने विचार हैं,रीटा कोठारी)

# आने वाले कल के खेल-सितारों को तैयार करने का यही समय है

मौजूदा हालात को देखते हुए तो यह बेहद कठिन लगता है कि भारत 2034 के फीफा विश्वकप के लिए क्वालिफाई कर पाएगा। लेकिन 2034 को एक डेडलाइन के तौर पर जरूर लिया जा सकता है। तब तक भारत ऐसा फुटबॉल सिस्टम विकसित करे, जो विश्वकप के लिए क्वालिफाई करने के लिए चुनौती पेश कर सके। भारत अभी एशियाई देशों में से क्वालिफाई करने योग्य स्तर से काफी दूर है। हमारी टीम में निरंतरता का अभाव है और हमारा डेवलपमेंट सिस्टम ऐसे पर्याप्त फुटबॉलर तैयार नहीं कर पाता है, जो शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। हमारा मकसद यही होना चाहिए कि अगले 8 वर्षों में भारत एशिया का उन्नत फुटबॉल सिस्टम बने। यदि हमने यह कर लिया तो क्वालिफाई करना संभव है। इसके लिए पहली जरूरत है- संस्थागत स्थिरता। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और भारतीय खेल प्रशासन फ्रैमवर्क के तहत ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के प्रशासनिक ढांचे से जुड़ी प्रक्रिया समाधान की दिशा में आगे बढ़ी है। प्राथमिकता सुधारों को लागू करने की हो। हमें इंडियन सुपर लीग के उभरते व्यावसायिक ढांचे को स्थिर, प्रतिस्पर्धी और आर्थिक तौर पर जिम्मेदार ऐसी पेशेवर व्यवस्था में बदलना होगा, जिसमें फेडरेशन की स्पष्ट भूमिका हो। इसकी सफलता इस बात से तय होगी कि क्या वह खेलों का भरोसेमंद कैलेंडर, मजबूत क्लब, खिलाड़ियों के लिए अनुबंध संबंधी निश्चितता और नेशनल लीग के लिए आपस में जुड़ा ढांचा उपलब्ध करा पाता है। कॉर्पोरेट और सरकारी सहायता भी तभी बढ़ेगी, जब पूरा इको-सिस्टम पेशेवर ढंग से संचालित हो। दूसरी जरूरत यह है कि इस

पूरी व्यवस्था को भारतीय खिलाड़ी तैयार करने के इर्द-गिर्द संगठित किया जाए। विश्व कप का क्वालिफिकेशन महज इससे हासिल नहीं होता कि हर कुछ वर्षों में राष्ट्रीय टीम का कोच बदल दिया जाए या बड़े मुकाबलों से पहले छोटे-मोटे प्रशिक्षण शिविर लगा दिए जाएं। जो फुटबॉलर भारत को 2034 के विश्व कप की चुनौती तक ले जा सकते हैं, उनमें से अधिकतर आज 12 से 20 वर्ष की उम्र के बीच हैं। उनके विकास का समय यही है। शुरुआत जिलास्तरीय स्काउटिंग से हो। फिर ये खिलाड़ी मान्यता प्राप्त अकादमियों और प्रतिस्पर्धी यूथ लीगों से होते हुए पेशेवर क्लबों और राष्ट्रीय टीमों तक पहुंचें। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को बेहतर कोचिंग, पर्याप्त मैच खेलने के अवसर और मजबूत एशियाई तथा अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ नियमित खेलने का अनुभव मिलना चाहिए। प्रतिभाओं की पहचान कम उम्र में ही होनी चाहिए और उनकी भौगोलिक या आर्थिक पृष्ठभूमि को देखे बिना उन्हें तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कोचों में भी हमें गंभीरता से निवेश करना होगा। कोच-एजुकेशन को नेशनल कैपेसिटी-बिल्डिंग की तरह लें। नेशनल प्लेयर डेटाबेस, वीडियो एनालिसिस, पारदर्शी स्काउटिंग और सभी प्रतियोगिताओं के लिए समान मानदंड तय करने में तकनीक की मदद ली जा सकती है। तीसरी जरूरत है सभी को साथ लेकर चलने वाला राष्ट्रीय गठबंधन। कोई भी फेडरेशन, मंत्रालय, राज्य सरकार या पेशेवर लीग अपने दम पर विश्वकप क्वालिफिकेशन की क्षमता नहीं रखती। एआईएफएफ को तकनीकी दिशा, नियमन और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय की जिम्मेदारी उठानी होगी। क्लबों को पेशेवर खिलाड़ियों के विकास का प्रमुख जरिया बनना होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूली प्रतियोगिताओं, खेल के मैदानों तक आमजन की पहुंच और उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिए जरूरी सहायता देनी होगी। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को भी अब छोटी-छोटी स्पॉन्सरशिप से आगे बढ़कर अकादमियों, कोचों, यूथ लीगों, अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर में धैर्य के साथ दीर्घकालिक निवेश करना चाहिए। पूर्व खिलाड़ियों और कोचों को भी सार्थक तकनीकी भूमिकाएं दी जानी जरूरी है। खेल प्रशंसक के तौर पर बड़े हुए बहुत-से भारतीयों की तरह मैं भी डुरंड कप को केवल एक और फुटबॉल प्रतियोगिता के तौर पर नहीं याद करता। यह टूर्नामेंट भारतीय फुटबॉल के इतिहास, संस्थागत टीमों की ताकत और सार्थक प्रतियोगिताओं से उपजे गौरव का प्रतिनिधित्व करता रहा है। आज भी ऐसी प्रतियोगिताएं एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका निभा सकती हैं। वे भारतीय प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने का मंच भी बन सकती हैं। जो फुटबॉलर भारत को 2034 के विश्व कप की चुनौती तक ले जा सकते हैं, उनमें से अधिकतर आज 12 से 20 वर्ष की उम्र के बीच हैं। उनके विकास का समय यही है। इसके लिए हमें एक एकीकृत व्यवस्था की जरूरत है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

# शालीनता वहां निखरती है, जहां रुतबा नहीं दिखता

फिल्मों में कुछ भावनात्मक भूमिकाएं ऐसी होती हैं, जो आपकी स्मृति पर अमिट छाप छोड़ जाती हैं। मेरे लिए तमिल में निर्मित 'अन्नै' (मां) भी ऐसी ही फिल्मों में शामिल थी। 1962 की इस फिल्म को मैंने शायद 10 साल की उम्र में देखा था। फिल्म एक निःसंतान दम्पती की कहानी पर आधारित थी, जिन्हें एक गरीब मां अपना एक बच्चा दे देती है, लेकिन बाद में अपने बड़े होते बच्चे के अभाव की गहरी पीड़ा से जूझती है। फिल्म ने मुझे उस उम्र में खुद से यह वादा करने पर मजबूर कर दिया कि मैं कभी अपनी मां को छोड़कर नहीं जाऊंगा। दक्षिण भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी ने इसमें मां की भूमिका निभाई थी। उन्हें ट्रैजेडी-क्वीन के रूप में जाना जाता था और इसके सहित कई अन्य क्लासिक फिल्मों में उन्होंने अपने मर्मस्पर्शी और भावुक अभिनय से दर्शकों की आंखें नम कर दी थीं। अगर आप उनकी फिल्मों को देखें तो पाएंगे कि एक बात उन्हें दूसरों से अलग करती थी- उनका संवाद बोलने का गहरा और प्रभावशाली अंदाज, जिसमें लाउड और नाटकीय अभिनय के बजाय चेहरे के सूक्ष्म भाव और संयत अभिव्यक्ति दिखाई देती थी।वे हमेशा अपनी भूमिका को सहजता से निभाती थीं, लेकिन अपने चेहरे के खामोश भावों से दर्शकों को प्रभावित कर देती थीं। वे दुःख को बेहद निजी और पीड़ादायक बना सकती थीं, क्योंकि वे सिनेमा में स्टार बनने नहीं, अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी का बंदोबस्त करने के लिए आई थीं। इंडियन एक्सप्रेस में अपने पत्रकारिता के दिनों के दौरान मुझे सार्वजनिक जगहों पर जानकी के व्यवहार के बारे में पता चला था। शनिवार को जब 94 वर्ष की उम्र में उनकी मृत्यु की खबर मिली, तो मुझे वो बातें याद हो आईं। उनसे मैंने जो एक बात सीखी, वो यह थी कि सार्वजनिक जगहों पर व्यक्ति को किस तरह खुद को पेश करना चाहिए। चूंकि जानकी ने 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था, इसलिए उनके पास हर जगह अपनी हैसियत का रुतबा भी साथ लेकर चलने की तमाम वजहें थीं। उन्होंने सिनेमा में सात दशक से अधिक समय बिताया था और एम.जी. रामचंद्रन तथा शिवाजी गणेशन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया था। उनका नाम ही अपने आप में इतिहास था। फिर भी, जब उनकी पोती ने थिएटर की दुनिया में पदार्पण किया तो उन्होंने बेहद साधारणता का परिचय दिया। उन्होंने अपने लिए कोई विशेष सीट नहीं मांगी। उन्होंने आयोजकों से कोई घोषणा करवाने की अपेक्षा नहीं की। उन्होंने चुपचाप टिकट खरीदा, थिएटर में गईं और एक कोने में बैठकर अपनी पोती का अभिनय देखा। यह छोटा-सा व्यवहार उनकी शख्सियत के बारे में गहरी सूचना देता है। जब भी मैं कई लोगों को ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद कांस्टेबल के सामने यह रौब झाड़ते देखता हूं कि वे संसद जा रहे हैं, तो मेरा सवाल होता है, तो क्या हुआ? क्या इससे आपको लाल बत्ती तोड़ने की अनुमति मिल जाती है? अगर सिर्फ संसद जाने भर से कोई व्यक्ति ट्रैफिक नियम तोड़ने के बाद इस तरह का आत्मविश्वास प्रदर्शित कर सकता है, तो आप किसी कंपनी के प्रबंध निदेशक की स्थिति समझ सकते हैं। ताज्जुब नहीं कि वे पारिवारिक समारोह में भी प्रबंध निदेशक ही बने रहते हैं। एक वरिष्ठ नौकरशाह की यह अपेक्षा होती है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी उसके साथ वरिष्ठ नौकरशाह जैसा व्यवहार किया जाए। प्रतिष्ठित पेशेवर भी कभी-कभी यह उम्मीद करते हैं कि जिस पद पर वे कभी बैठे थे, उसे छोड़ने के वर्षों बाद भी दुनिया उसे याद रखे। हम भूल जाते हैं कि पदनाम तो पदों से जुड़े होते हैं, लेकिन कद व्यक्तित्व से ही बनता है। पद हमें अधिकार दे सकता है, लेकिन लोगों के प्यार की गारंटी नहीं दे सकता। कोई पद हमारे कमरे में प्रवेश करते समय लोगों को खड़ा होने पर मजबूर कर सकता है, लेकिन हमारे चले जाने के बाद उनके मन में सम्मान पैदा नहीं कर सकता। वह सम्मान तो उस पद के पीछे मौजूद इंसान के कारण ही मिलता है। विडम्बना यह है कि वास्तव में सफल लोगों को अपनी अहमियत बताने की शायद ही कभी जरूरत पड़ती है। उन्हें कुछ साबित नहीं करना होता। वे कतार में खड़े हो सकते हैं, अपना टिकट खुद खरीद सकते हैं, चुपचाप एक कोने में बैठ सकते हैं और उस व्यक्ति के लिए तालियां बजा सकते हैं, जो अपनी उस यात्रा की शुरुआत ही कर रहा है जिसे वे दशकों पहले पूरा कर चुके हैं। यही वास्तविक कद है। फंडा यह है कि अपनी प्रतिष्ठा को सहजता से लेना चाहिए। लोगों को हमारी इंसानियत महसूस होने से पहले हमारा पद महसूस नहीं होना चाहिए। क्योंकि एक दिन लोग उस कुर्सी को भूल सकते हैं, जिस पर हम बैठे थे, लेकिन उन्हें यह याद रहेगा कि हमने उन्हें कैसा महसूस कराया था। एन. रघुरामन

# किसी के लिए उम्मीद ही सबसे अच्छा गिफ्ट हो सकता है

सुगि अमाया (29) की कहानी किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि एक सन्नाटे के साथ शुरू हुई। जुलाई 2022 में उनका संसार बिखर गया, जब उनके 24 साल के भाई एलेक्सिस को

पापा जॉन्स पिज्जेरिया से लेट-नाइट शिफ्ट करके लौटते वक्त पुलिस ने पकड़ लिया। आरोप एल-साल्वाडोर का वही जाना-पहचाना था- गैंग से जुड़ाव। किसी ट्रायल और कानूनी रास्ते के बगैर ही एलेक्सिस को वो जेल सिस्टम निगल गया, जो पूरे देश के लिए पुलिसिया जाल बन चुका था।यह सेंट्रल अमेरिका के सबसे छोटे देश एल-साल्वाडोर की हकीकत है। 2022 की शुरुआत में हत्याओं में तेज बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने आपातकाल लगा दिया। जो कदम अपराध के खिलाफ शुरू हुआ, धीरे-धीरे ऐतिहासिक सख्ती में बदल गया। आज इस देश में दुनिया की सर्वाधिक कारावास दर है, जहां कार्रवाई की शुरुआत से अब तक 91 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह वयस्क आबादी का करीब 2फीसदी है। मानवाधिकार संगठनों ने चेताया है कि 'अरेस्ट कोटा' के चलते पुलिस गरीबों को निशाना बना रही है। एलेक्सिस जैसे लोगों को अकसर सिर्फ टैटू या अनजान सूचना के आधार पर पकड़ लिया जाता है। नतीजतन, इस देश में बहुत बड़ा विरोधाभास है। आंकड़ों में तो एल-साल्वाडोर दुनिया के सबसे हिंसक देशों में से एक से बदलकर पश्चिमी गोलार्ध के सबसे सुरक्षित देशों में शामिल हो गया। लोग नई आजादी की बात करते हैं- मसलन, रात में बेखौफ चल पाना या बिना वसूली के दुकान चला पाना। लेकिन इस सुरक्षा की भयानक कीमत पीछे छूट गए परिवारों को चुकानी पड़ी है। बुनियादी सुविधाओं की किल्लत वाली और भीड़ भरी जेलों में बंद रिश्तेदारों के लिए खाना और दवाएं जुटाना गरीबों के जीवन का संघर्ष बन गया है। एलेक्सिस की गिरफ्तारी के बाद सुगि का जीवन राजधानी सैन-साल्वाडोर के एक कन्वर्टेड मूवी थिएटर के बाहर के फर्श तक सिमट गया है। यह जगह जटिल जेल सिस्टम में आने-जाने वालों के लिए ठहराव स्थल है। जेल की दीवारों की छांव अब सुगि का दूसरा घर बन गई है। भाई की गैरमौजूदगी की इस रिक्तता में कड़वाहट उनके मन में आ सकती थी। लोहे के इन दरवाजों में उन्हें सिर्फ दुश्मन ही दिख सकते थे। लेकिन उन्होंने इनमें एक आईना देखना चुना। बच्चों को अपनी मां के पास छोड़कर सुगि रात भर इंतजार करती हैं। एल-साल्वाडोर में कैदियों की रिहाई बहुत कम और अकसर बिना सूचना के तड़के ही होती है। तब कोई रिश्तेदार कागजों पर साइन करने के लिए न हो तो कैदी वापस भीतर भेज दिया जाता है। इसे रोकने के लिए सुगि अजनबियों के लिए वहां रहती हैं। वह बिना किसी सोच-विचार के एक साफ शर्ट और जूते लेकर रिहा हुए लोगों के पास जाती हैं और रिलीज फॉर्म पर साइन करती हैं। धीरे से कहती हैं, 'अब आप ठीक हैं।' सुगि की आवाज उन्हें फिर से जिंदगी से जोड़ती है। जरूरतमंदों को वह घर जाने का किराया देती हैं और जिनके पास कोई जगह नहीं, सुगि का छोटा-सा घर ही ठिकाना होता है- जहां गर्म खाने और बिस्तर से उनका 'क्रिमिनल' का टैग धुल जाता है। जब लोग पूछते हैं कि वे अनजान लोगों के लिए क्यों गंदगी में रातें बिताती हैं, तो सुगि को एलेक्सिस याद आता है। उनकी उम्मीद किसी चक्र जैसी है। उन्हें भरोसा है कि अजनबियों के साथ सम्मान से पेश आकर वे दुनिया में इतनी रोशनी फैला रही हैं, जो उस अंधेरी कोठरी तक पहुंचेगी, जहां उनका भाई है। वे ऐसी दुनिया बना रही हैं, जिसमें वे चाहती हैं कि उनका भाई लौटे। आज सुगि का मिशन बढ़ चुका है। पूरे अमेरिका महाद्वीप से परिवार उन्हें मदद भेजते हैं। जिनकी उन्होंने मदद की थी, वे इसमें योगदान दे रहे हैं। अब वे कानून की छात्रा हैं, लेकिन उनका 'फुल-टाइम जॉब' दूसरों के लिए जेल सिस्टम से जूझना ही है। फंडा यह है कि अजनबियों को बचाने के इस काम में सुगि ने खुद को निराशा से बचा लिया और साबित किया कि उम्मीद बांटी जाए तो यह सबसे ताकतवर तोहफा बन जाती है। (एन. रघुरामन)

# हैकिंग को रूटीन बना देना एआई की 'बुद्धिमत्ता' नहीं कहला सकती

एआई कम्पनी एंथ्रोपिक ने हाल ही में अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल की नवीनतम सेवा क्लॉड माइथोस प्रिव्यू को जारी किया,

लेकिन यह केवल 40 बड़ी टेक-कंपनियों के सीमित समूह के लिए होगा। यह नया मॉडल परफॉर्मेंस में बुनियादी बदलावों का दावा करता है, जिसके साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। क्लॉड माइथोस के डेवलपमेंट के दौरान एंथ्रोपिक ने पाया कि यह न केवल किसी भी मॉडल की तुलना में अधिक जटिलता और आसानी से सॉफ्टवेयर कोड लिख सकता है, बल्कि अपनी इस क्षमता के चलते यह दुनिया के लगभग सभी प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टमों में व्याप्त कमजोरियों को भी पहले की तुलना में अधिक आसानी से खोज सकता है। लेकिन अगर यह टूल गलत हाथों में चला गया, तो वे दुनिया के लगभग हर प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टम- यहां तक कि इस समूह में शामिल कंपनियों द्वारा बनाए सिस्टमों को भी हैक कर सकते हैं। यह कोई पब्लिसिटी-स्टंट नहीं है। इस घोषणा से पहले, प्रमुख टेक-कंपनियों के प्रतिनिधि ट्रम्प प्रशासन के साथ निजी तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि इसका उन देशों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा, जो इन असुरक्षित सॉफ्टवेयर प्रणालियों का उपयोग करते हैं। एंथ्रोपिक ने अपने एक लिखित बयान में कहा कि पिछले केवल एक महीने में ही माइथोस प्रिव्यू ने हजारों गंभीर कमजोरियों की पहचान की है। ये हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में शामिल हैं। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर ऐसी क्षमताओं का व्यापक होना अब दूर नहीं है। और संभव है कि वे उन पक्षों से भी आगे फैल जाएं, जो इन्हें सुरक्षित रूप से उपयोग करने की बात करते हैं।सुपर-इंटेलिजेंट एआई अपेक्षा से कहीं तेजी से सामने आ रहा है। यह तो पहले से स्पष्ट था कि एआई किसी भी व्यक्ति- चाहे उसकी कम्प्यूटर साक्षरता का स्तर कुछ भी हो- को सॉफ्टवेयर कोड लिखने में असाधारण रूप से सक्षम बना रहा है। लेकिन बताया जाता है कि स्वयं एंथ्रोपिक ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि यह इतनी जल्दी, इतनी दक्षता के साथ, मौजूदा कोड में खामियों को खोजने और उनका दोहन करने के तरीकों को पहचानने में सक्षम हो जाएगा। क्लॉड माइथोस ने हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में गंभीर कमजोरियों की पहचान की है- ये ऐसे सिस्टम हैं, जिन पर दुनिया भर में बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति तंत्र, एयरलाइन आरक्षण प्रणालियां, रीटेलिंग नेटवर्क, सैन्य प्रणालियां और अस्पताल निर्भर हैं। यदि यह टूल व्यापक रूप से उपलब्ध हो जाता है, तो इसका अर्थ होगा कि किसी भी प्रमुख बुनियादी ढांचे की प्रणाली को हैक करने की क्षमता- जो पहले केवल निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों तक सीमित ?थी और जो एक कठिन और महंगा कार्य था- अब हर आपराधिक तत्व, आतंकी संगठन, देश के लिए सुलभ हो सकती है। इस समस्या का समाधान दुनिया का कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता। शुरुआत दो एआई महाशक्तियों- अमेरिका और चीन को करनी होगी। यह बहुत जरूरी हो गया है कि वे आपस में सहयोग करना सीखें, ताकि बुरी ताकतें इस साइबर क्षमता तक पहुंच न बना सकें। यह उतना ही बुनियादी महत्व का है, जितना एटमी हथियारों के बाद परमाणु अप्रसार संधियां थीं। जटिल साइबर हैकिंग अभियानों को विकसित करने की जो क्षमता पहले बड़े देशों, सेनाओं, कंपनियों और बड़े बजट वाले आपराधिक संगठनों तक सीमित थी, वह अब छोटे समूहों को भी उपलब्ध हो सकती है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे केवल जिम्मेदार हाथों तक ही सीमित रहें। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,थॉमस एल. फ्रीडमैन)

## हरदीप निज्जर को मैंने मरवाया, मेरे भाइयों को मरवाने वाले इसकी कोठी में रहते थे-गैंगस्टर गोल्डी बराड़, पहले भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगे थे

चंडीगढ़। हालांकि, भारत सरकार ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए 'बेतुका और राजनीति से प्रेरित' बताया था। ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने आतंकी परमजीत से ये बातें कही-ऑडियो में गोल्डी बराड़ ने कहा निज्जर ने बहुत अच्छे काम किए हुए होंगे। मैं नहीं कहता, नहीं किए होंगे। लेकिन जो उन्होंने गलती की है, सुखा दूनेके और अर्श डाला का पुराना रिकॉर्ड निकाल लिया जाए। उन्होंने इनकी भी जड़ें काटी हैं। इनके घर पर रहे, इनकी गारंटी पर असले के लिए पैसे लिए, इनके बंदे पकड़वाए। पुलिस के साथ रिलेशन बनाए। आज जो वही लोग इंडिया की एजेंसियों के भी मुखबिर बने हुए हैं, अर्श डाला जैसे... बाहर की एजेंसियों के तो हैं ही। ठीक है। आप सबकी जड़ें काटी हैं। कभी भला नहीं है। आप हमें दुश्मन समझते हो। आप पता कर लो, मेरे कितने भाई अंदर हैं, जो बेअदबी वाले लोगों के घरों पर गोलियां मरवाने के लिए मैंने आदमी भेजे। 15-16 लड़के हैं, मैं आपको लिस्ट भेजता हूं। प्रदीप को हमने मार दिया था, जिसके चक्कर में पांच-छह अंदर हैं। शूटर हैं। हत्या से पहले दो अटेंप्ट किए, जो मिस हुए। जो उसमें अंदर हैं। लोगों को लगता है, सिद्धू को मारने के बाद हमने बेअदबी वालों को मारा है। सिद्धू को मारने से पहले ही हमने दो बार बेअदबी वालों को टारगेट किया था। वह अंदर हैं। 16 लड़के अंदर हैं। आप जाकर पूछें कि इतने सालों से कौन आपको संभालता है। किसी जत्थेबंदी ने आकर पूछा? 2018 में बुर्ज जवाहरसिंह वाला में जो प्रेमी गुरदीप सिंह मारा था। उसमें रिवॉल्वर मैंने दिया था। जो लड़के उसे मारकर आए थे। मुझे नहीं बताने की जरूरत मैं कौन हूं, कौन नहीं है। हमारे काम बताएंगे। मैं न तो किसी जत्थेबंदी का दुश्मन हूं, न कुछ। जो हमारे दुश्मनों की मदद करेगा, हम उसको सबक सिखाएंगे। मेरा दुश्मन

उन्होंने अपने घर पर रखा। उसको संभाला। उनको पाकिस्तान से हथियार दिलवाए। मैं आपको पाकिस्तान में बैठे उन लोगों के नाम बता सकता हूं, जिनकी गारंटी पर हरदीप निज्जर ने अर्श डाला को हथियार दिलवाए थे।निज्जर का मर्डर कैसे हुआ था, जानिए-निज्जर की हत्या 18 जून 2023 की शाम करीब 8:30 बजे हुई थी। वह कनाडा के सरे स्थित गुरु नानक सिख गुरुद्वारा की कमेटी का अध्यक्ष था और वह गुरुद्वारे में ही मौजूद था। जब निज्जर गुरुद्वारे से निकला और अपनी ग्रे रंग की रैम पिकअप ट्रक में बैठकर पार्किंग से बाहर जाने लगा, तब हमलावर पहले से ही घात लगाकर तैयार थे। जैसे ही निज्जर का ट्रक पार्किंग के एग्जिट गेट (निकास द्वार) की तरफ बढ़ा, अचानक एक सफेद रंग की सेडान कार उसके ट्रक के समानांतर चलने लगी। उस वैन ने तेजी से आगे आकर निज्जर के ट्रक के ठीक सामने अपनी गाड़ी अड़ा दी। इस वजह से निज्जर का ट्रक पूरी तरह ब्लॉक हो गया और वह आगे नहीं बढ़ सका। ट्रक के रुकते ही पास में छिपे दो नकाबपोश शूटर (जिन्होंने हुड वाली गहरे रंग की पोशाक पहनी थी) तेजी से निज्जर के ट्रक की तरफ दौड़े।

उन्होंने निज्जर की ड्राइविंग सीट की खिड़की पर आकर ऑटोमैटिक हथियारों से अंधाधुंध गोलियां बरसाना शुरू कर दिया। हमलावरों ने करीब 50 राउंड फायरिंग की, जिसमें से 34 गोलियां निज्जर को लगीं। निज्जर की मौके पर ही मौत हो गई थी।फायरिंग के बाद दोनों शूटर गुरुद्वारे के मैदान से भागकर पास की एक गली में गए। वहां पहले से ही एक सिल्वर कलर की कार (जिसमें ड्राइवर सहित तीन अन्य लोग मौजूद थे) उनका इंतजार कर रही थी। शूटर उस कार में बैठे और तेजी से फरार हो गए थे।

## बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की हत्या

ढाका। गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। पड़ोसी की छत से घर में पहुंचे थे आरोपी-रंगपुर मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर मोहम्मद अब्दुल माबूद के मुताबिक, दोनों आरोपी गुरुवार रात पड़ोस की इमारत से गणपति के घर की छत पर पहुंचे थे। वहां दोनों डूग ले रहे थे। गणपति ने छत से आवाज सुनी तो वहां पहुंचे और दोनों से पूछा कि वे छत पर क्या कर रहे हैं। दोनों को डर था कि गणपति उन्हें पहचान लेंगे। इसलिए उन्होंने उनके ही गमछे से उनका गला दबा दिया। आवाज सुनकर गणपति की पत्नी भी ऊपर पहुंचीं। आरोपियों ने सीढ़ियों पर कपड़े के एक टुकड़े से उनका भी गला दबा दिया। इसके बाद उनकी बेटी और 12 साल के बेटे की भी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद दोनों आरोपी तुरंत घर से नहीं भागे। वे करीब 6 से 7 घंटे तक घर के अंदर ही रहे।आरोपियों ने वहां खाना खाया और नशीली डूग ली। इसके अलावा आरोपियों ने घर में नहाया भी था। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली। चारों के शव घर में अलग-अलग जगह मिले-रंगपुर मेट्रोपॉलिटन सीआईडी के अधिकारी सुबीर चौधरी के मुताबिक, गणपति का शव छत पर, उनकी पत्नी और बेटी के शव सीढ़ियों के पास मिले। वहीं 12 साल के बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों ने बताया कि परिवार का किसी से विवाद या दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने दासपाड़ा में नया घर बनाया था और वहीं रह रहा था। गणपति की बेटी आगमी ने इसी साल अंग्रेजी में मास्टर्स की डिग्री पूरी की थी। उनका 12 साल का बेटा प्रियम 5वीं कक्षा में पढ़ता था। गुरुवार से परिवार से संपर्क नहीं हुआ, फोन बंद थे-परिजन के मुताबिक, प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा चक्रवर्ती ने उनसे गुरुवार दोपहर आखिरी बार बात की थी। इसके बाद गुरुवार रात से परिवार के चारों मोबाइल फोन बंद हो गए। शनिवार रात परिजन रंगपुर के दासपाड़ा इलाके में उनके घर पहुंचे।

घर का मुख्य गेट बंद था और अंदर की सभी लाइटें भी बंद थीं इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चारों के शव बरामद किए।

## महाराष्ट्र के अमरावती में अस्पताल के चाइल्ड यूनिट में आग,3 नवजातों की मौत, 39 बच्चे भर्ती थे

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। हादसे में 3 नवजातों की मौत हो गई। घटना अस्पताल की तीसरी मंजिल पर हुई, जहां आग के बाद धुआं फैल गया। उस समय एनआईसीयू में 39 नवजात भर्ती थे। आग लगते ही डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कई बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग की चपेट में आने से इनमें से 3 की मौत हो गई, जबकि बाकी 6 को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन 6 बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में एनआईसीयू में लगे वेंटिलेटर के अंदर धमाके के बाद आग लगने की आशंका है। घटना के सही कारणों की जांच की जा रही है। दो दिन पहले एमपी में एनआईसीयू में आग से एक बच्चे की मौत हुई थी-दो दिन पहले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के एनआईसीयू में भी ऐसी ही घटना हुई थी। शनिवार देर रात करीब 2 बजे वार्मर मशीन के फिलामेंट से निकली चिंगारी के बाद आग लग गई थी। हादसे में 3 नवजात झुलस गए थे। अस्पताल स्टाफ ने फायर फाइटिंग उपकरणों की मदद से आग बुझाई और तीनों बच्चों को प्राथमिक इलाज दिया। इसके बाद तीनों नवजातों को बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया था। इनमें एक बच्चे की हालत गंभीर थी और उसे सर्जरी की जरूरत थी। छिंदवाड़ा में पीडियाट्रिक सर्जन उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे जबलपुर ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इनमें से एक बच्चे का जन्म हादसे से कुछ घंटे पहले ही हुआ था। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू की। इस साल अस्पतालों में आग की 4 बड़ी घटनाएं-1. मुजफ्फरपुर, बिहार 4 जून को मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में भीषण आग लगी थी। शुरुआती रिपोर्टों में 4 मरीजों की मौत बताई गई थी। बाद की रिपोर्टों में मौतों का आंकड़ा 5-6 तक पहुंचने की जानकारी आई। करीब 20 मरीजों को आईसीयू से निकालकर दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया था। 2. कटक, ओडिशा 16 मार्च को एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ट्रॉमा आईसीयू में आग लगी। 10 मरीजों की मौत हुई और 11 स्टाफ घायल हुए। शुरुआती तौर पर शॉर्ट-सर्किट की आशंका जताई गई। 3. कानपुर, उत्तर प्रदेश फरवरी में एक निजी नर्सिंग होम के एनआईसीयू में वार्मर मशीन में आग लगने से नवजात बच्ची की मौत हुई। जांच में सामने आया कि एनआईसीयू के पास वैध अनुमति नहीं थी और फायर एक्सटिंग्विशर की अवधि भी खत्म हो चुकी थी। 4. नागपुर, महाराष्ट्र मई में दागा मेमोरियल सरकारी महिला अस्पताल के एसएनसीयू में बिजली की स्पार्किंग से धुआं और आग की स्थिति बनी। वहां मौजूद 10 नवजातों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, 6 को दूसरे एनआईसीयू में शिफ्ट किया गया। किसी की मौत नहीं हुई।

## चिदंबरम ने वन नेशन वन इलेक्शन को असंवैधानिक बताया,समिति से बोले- यह संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन, मेरी आत्मा इसकी गवाही नहीं देता

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया। उन्होंने संसद की संयुक्त समिति के सामने इसे 'राक्षसी' और 'असंवैधानिक' पहल बताया। पूर्व गृह और वित्त मंत्री ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' के तहत पूरे देश में चुनाव कराने का प्रस्ताव 'बिना सोचे-समझे' किया गया काम है। सूत्रों के मुताबिक, चिदंबरम ने यह राय संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर समिति के सामने रखी। चिदंबरम ने विधेयकों को असंवैधानिक बताया-सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जुड़े दोनों विधेयक असंवैधानिक हैं। उनका तर्क था कि हर विधानसभा और संसद का कार्यकाल पांच साल के लिए होता है, इसलिए उसका कार्यकाल घटाना संविधान के मूल ढांचे का सीधा उल्लंघन है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका जमीर उन्हें इन विधेयकों का समर्थन करने की इजाजत नहीं देता। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के पास कानून पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं है।तृणमूल कांग्रेस की समिति सदस्य सागरिका घोष ने भी विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे चुनाव आयोग को 'बेलगाम' अधिकार मिल जाएंगे। पद्म पुरस्कार पाने वालों की राय बंटी-भाजपा सदस्य पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति के सामने करीब 10 पद्म पुरस्कार पाने वाले लोग भी अलग से पेश हुए। इनमें तरलोचन सिंह, नवीन खन्ना, मीनाक्षी जैन और नीरू कुमार शामिल थे। इनमें से कुछ पद्म पुरस्कार पाने वालों ने एक साथ चुनाव कराने की पहल का समर्थन किया। वहीं, कुछ ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इससे देश में 'अराजकता' फैल सकती है। दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश हुए थे विधेयक-दोनों विधेयक दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किए गए थे। इसके बाद जांच के लिए इन्हें संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया। इन विधेयकों को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की सिफारिश के बाद तैयार किया गया था। समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव चरणबद्ध तरीके से एक साथ कराने की सिफारिश की थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी कोविंद की अध्यक्षता वाली इस उच्चस्तरीय समिति के सदस्य थे। 1951 से 1967 तक चुनाव एक साथ हुए-संविधान लागू होने के बाद 1951 से 1967 तक लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए थे। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के पहले आम चुनाव 1951-52 में एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 के तीन लगातार आम चुनाव भी इसी व्यवस्था के तहत कराए गए। हालांकि, 1968 और 1969 में कुछ राज्य विधानसभाएं समय से पहले भंग हो गईं, जिसके चलते एक साथ चुनाव कराने का चक्र टूट गया।

चौथी लोकसभा भी 1970 में समय से पहले भंग कर दी गई थी। इसके बाद 1971 में नए चुनाव कराए गए। पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा ने अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा किया था, लेकिन आपातकाल लागू होने के कारण पांचवीं लोकसभा का कार्यकाल अनुच्छेद 352 के तहत 1977 तक बढ़ा दिया गया था।

इसके बाद केवल कुछ लोकसभाएं ही पूरे पांच साल चलीं। इनमें आठवीं, दसवीं, चौदहवीं और पंद्रहवीं लोकसभा शामिल हैं। छठी, सातवीं, नौवीं, 11वीं, 12वीं और 13वीं लोकसभा को समय से पहले भंग कर दिया गया था।

राज्य विधानसभाओं को भी पिछले वर्षों में इसी तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा। समय से पहले विधानसभा भंग होने और कार्यकाल बढ़ने की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं।

इन घटनाओं से एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था पूरी तरह टूट गई और देश में चुनावों का मौजूदा चरणबद्ध कार्यक्रम बन गया।

## पाक के कई शहरों में 12-12 घंटे बिजली कटौती,कराची में हालात बदतर, सड़कों पर उतरे आक्रोशित लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद, रावलपिंडी और कराची जैसे बड़े शहर बिजली कटौती से परेशान हैं। सबसे खराब हालात कराची में हैं, जहां 12-12 घंटे बिजली कटौती हो रही है। कराची में बिजली कटौती के खिलाफ शनिवार को लोगों ने प्रदर्शन किया, कई घंटे सड़कें जाम रखीं। इस प्रदर्शन से शहर में ट्रैफिक ठप हो गया और हजारों लोग जाम में फंस गए। डॉन के मुताबिक, लोगों ने बताया कि और जाम का भी लोगों पर बुरा असर पड़ा। एक महिला ने बताया कि उनकी मां को बुखार था वो मां को जांच के लिए क्लिनिक ले जा रही थीं, लेकिन उनकी एंबुलेंस करीब 2 घंटे तक जाम में फंसी रही।गरीबाबाद के रहने वाले इमरान ने कहा- समय पर बिजली का बिल भरते हैं फिर भी 12 घंटे बिजली कटती है। आज तो हम घर तक नहीं पहुंच पाए। जुलूस और इन प्रदर्शनों की वजह से पूरा शहर जाम है।

उन्हें रोज 12 घंटे या उससे ज्यादा बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि कई बार कटौती की जानकारी भी नहीं दी जाती। बिजली नहीं होने पर पंपिंग स्टेशन बंद रहते हैं। इससे पानी की सप्लाई भी रुक रही है। इस समस्या को लेकर कराची के व्यापारियों और बिजली कंपनी के-इलेक्ट्रिक (केई) के कर्मचारियों के बीच विवाद और झड़प हुई। प्रदर्शन में शामिल व्यापारियों ने कहा- बिजली की सप्लाई न होने से कारोबार को काफी नुकसान हो रहा है। प्रदर्शन बिजली कंपनी के-इलेक्ट्रिक ने कहा- बार-बार बिजली चोरी रोकने के अभियान चलाने के बावजूद लोग बिजली चोरी कर रहे हैं और बिल भी नहीं भर रहे हैं। अरबों बिल बकाया है। इस्लामाबाद-रावलपिंडी में बारिश से बिजली गुल-पाकिस्तान के इस्लामाबाद और रावलपिंडी में भी शनिवार रात तेज बारिश के कारण कई जगह बिजली सप्लाई प्रभावित हुई। कई सड़कें और अंडरपास पानी में डूब गए। रावलपिंडी में नुल्लाह लाई का जलस्तर 19 फीट तक बढ़ गया। सड़कों पर इतना पानी भर गया कि कई इलाकों में रास्ते तालाब जैसे नजर आए। कराची में बिजली क्यों कट रही है? 1. कराची में बिजली की सप्लाई मुख्य रूप से के-इलेक्ट्रिक के जिम्मे है। कंपनी को बिजली की कमी के साथ अपने ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में फॉल्ट का भी सामना करना पड़ रहा है। किसी इलाके में लाइन या ट्रांसफॉर्मर में खराबी आने पर तय लोडशेडिंग के अलावा भी बिजली बंद हो सकती है।2. पाकिस्तान के कई बिजली संयंत्र गैस और रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस (आरएलएनजी) से चलते हैं। इन दिनों ईंधन की सप्लाई में दिक्कतों का असर बिजली उत्पादन पर पड़ा है। 3. पाकिस्तान में बिजली कंपनियां उतनी बिजली उपलब्ध नहीं करा पा रही हैं, ऐसे में मांग और सप्लाई के बीच का अंतर लोडशेडिंग के जरिए संभाला जाता है। 4. कराची में गर्मी के दौरान बिजली की खपत तेजी से बढ़ जाती है। बड़ी संख्या में लोग एसी, पंखे और दूसरे कूलिंग उपकरण चलाते हैं। इससे खासकर पीक टाइम में ग्रिड पर काफी दबाव पड़ता है। जब सिस्टम ज्यादा लोड नहीं संभाल पाता, तो कुछ इलाकों में बिजली काटनी पड़ती है। 5. कराची के कुछ इलाकों में बिजली चोरी और बिलों की कम वसूली जैसी वजहों से पहले से ही ज्यादा लोडशेडिंग की जाती है। ऐसे इलाकों में अगर सामान्य कटौती के दौरान कोई तकनीकी खराबी भी आ जाए, तो बिजली कई घंटे और बंद रह सकती है।

## 35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की दोबारा होगी जांच, 9 महिलाओं, 4 बच्चों समेत 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई थी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने 35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की जांच दोबारा शुरू कर दी है। साल 1998 के इस हत्याकांड में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, एसआईए ने मामले से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कश्मीर घाटी में कई जगहों पर तलाशी ली है। एजेंसी कश्मीरी पंडितों की दूसरी हत्याओं के मामलों की भी फिर से जांच कर रही है। इनमें कश्मीरी पंडित नेता टीका लाल टपलू और जस्टिस नीलकंठ गंजू की हत्या के मामले भी शामिल हैं। जांच एजेंसी हमलों में शामिल आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उनकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है। 1. वंधामा नरसंहार-25 जनवरी 1998 की रात गांदरबल के वंधामा गांव में हथियारबंद आतंकियों ने कश्मीरी पंडित परिवारों के घरों में घुसकर 23 लोगों की हत्या कर दी थी। मृतकों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। रिपोर्टों के मुताबिक, हमलावरों ने परिवारों के लोगों को एक जगह इकट्ठा कर गोलियां चलाई थीं। यह हमला गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर हुआ था। उस दिन शब-ए-कद्र की रात भी थी। मामले में लंबे समय तक किसी आरोपी को सजा नहीं मिल सकी। 2. टीका लाल टपलू-13 सितंबर 1989 को श्रीनगर में कश्मीरी पंडित नेता और वकील टीका लाल टपलू की उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। टपलू उस समय जम्मू-कश्मीर बीजेपी के उपाध्यक्ष थे और घाटी में कश्मीरी पंडितों के प्रमुख राजनीतिक चेहरों में शामिल थे। उनकी हत्या को घाटी में आतंकवाद के शुरुआती दौर में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाए जाने की बड़ी घटनाओं में गिना जाता है। उपलब्ध रिकॉर्ड में हत्या के लिए जेकेएलएफ के आतंकियों को जिम्मेदार बताया गया है। 3. जस्टिस नीलकंठ गंजू-4 नवंबर 1989 को श्रीनगर की हरि सिंह स्ट्रीट इलाके में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व जज नीलकंठ गंजू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गंजू ने जेकेएलएफ के आतंकी मकबूल भट को मौत की सजा सुनाई थी। भट को बाद में 11 फरवरी 1984 को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई। गंजू की हत्या के मामले में जेकेएलएफ की भूमिका दर्ज की गई है और अब एसआईए पुराने केस में नए सुरागों और आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। सरला भट और प्रेमी हत्याकांड भी जांच के दायरे में-एसआईए ने कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट की 1990 में हुई हत्या की जांच भी दोबारा शुरू की थी। जून में एजेंसी ने इस मामले में 737 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें जेल में बंद जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक को मास्टरमाइंड बताया गया है। यासीन अभी तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। इसके अलावा कश्मीरी पंडित लेखक सर्वानंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल की हत्या से जुड़े मामले में भी एसआईए ने तलाशी और जांच की कार्रवाई की है। 1990 में हथियारबंद आतंकियों ने अनंतनाग के सोफ शाली स्थित घर से सर्वानंद कौल और उनके बेटे वीरेंद्र का अपहरण कर लिया था। दोनों के शव 1 मई 1990 को पेड़ से लटके मिले। यह घटना घाटी में आतंकवाद के शुरुआती दौर में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाए जाने वाले चर्चित मामलों में शामिल है।

# पहली भारतीय महिला मिमिक्री आर्टिस्ट आशा सिंह का निधन,मीना कुमारी की नकल से फेम मिला

## बीआर चोपड़ा की महाभारत में द्रोणाचार्य की पत्नी बनी थीं

मुंबई। दिग्गज अभिनेत्री और भारत की पहली महिला मिमिक्री आर्टिस्ट आशा सिंह जायसवाल का निधन हो गया है। उन्होंने 22 अगस्त को शाम करीब 7:30 बजे अंतिम सांस ली। उनके बेटे आकाश भारद्वाज ने पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी।

आशा को भारत की पहली महिला मिमिक्री आर्टिस्ट माना जाता है। वे हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस मीना कुमारी की आवाज की नकल करने के लिए पहचानी जाती थीं। वह बीआर चोपड़ा की महाभारत में द्रोणाचार्य की पत्नी कृपी के किरदार में नजर आई थीं। उनका अंतिम संस्कार रविवार को सुबह 10 बजे मुंबई के विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया। बेटे आकाश ने लिखा- मा के लिए उनका काम ही सब कुछ था- आशा के बेटे आकाश ने लिखा कि उनकी मां के लिए उनका काम ही सब कुछ था। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर उनकी मां के काम को जरूर देखें और याद रखें, ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले। मां का संदेश था कि मृत्यु का दुख मनाने के बजाय आनंद महसूस करना चाहिए। आशा इवेंट्स एंड फिल्म्स नाम से कंपनी बनाई थी-आशा सिंह जायसवाल एक एंटरप्रेन्योर भी थीं। उन्होंने 'आशा इवेंट्स एंड फिल्म्स' नाम की कंपनी बनाई थी, जिसकी वे फाउंडर और ऑपरेटर थीं। इस कंपनी के जरिए वे कई सांस्कृतिक और इवेंट्स आयोजित करती थीं। जीवन के आखिरी दिनों तक वे अपने काम से जुड़ी रहीं।

# कृति सेनन के रक्षाबंधन एड पर विवाद,ब्रालेट आउटफिट पहनकर राखी बांधने पर ट्रोल हुईं, भारतीय संस्कृति के अपमान का आरोप

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपने एक नए ज्वेलरी एडवर्टाइजमेंट को लेकर विवादों में घिर गई हैं। रक्षाबंधन के थीम पर बने इस एड में कृति अपने ऑन-स्क्रीन भाई को राखी बांधती नजर आ रही हैं। हालांकि, एड में उनके इंडो-वेस्टर्न आउटफिट (ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज और ड्रेप्ड स्कर्ट) को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जताई है। कई यूजर्स का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक त्योहार के लिए यह पहनावा सही नहीं है, जबकि कुछ लोग एक्ट्रेस के समर्थन में उतर आए हैं। ब्रालेट ब्लाउज पहनकर राखी बांधने पर जताई नाराजगी जीवा ज्वेलरी ब्रांड के इस एडवर्टाइजमेंट में कृति सेनन ने केप के साथ ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज और ड्रेप्ड स्कर्ट पहना हुआ है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोगों ने उनके कपड़ों पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। यूजर्स का कहना है कि त्योहार के हिसाब से कपड़े पहनना कॉमन सेंस की बात है। विवाद

बढ़ने के दौरान कई यूजर्स ने इस मामले में धर्म की तुलना भी शुरू कर दी। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या ईद या क्रिसमस जैसे अन्य धार्मिक त्योहारों के विज्ञापनों में भी इस तरह के मॉडर्न कपड़ों को स्वीकार किया जाता? लोगों का कहना था कि केवल हिंदू त्योहारों और परंपराओं को दिखाते समय ही इस तरह के प्रयोग क्यों किए जाते हैं। धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इस एडवर्टाइजमेंट को हिंदू धर्म और त्योहारों के प्रति असंवेदनशील करार दिया। एक यूजर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार के गलत चित्रण और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में एक्ट्रेस के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। विवाद बढ़ने के बाद कृति सेनन के बचाव में भी कई लोग आगे आए हैं। सपोर्ट करने वाले यूज़र्स का कहना है कि कृति का आउटफिट किसी भी तरह से आपत्तिजनक नहीं है और लोगों को दूसरों के कपड़ों को जज करना बंद करना चाहिए। 'कॉकटेल 2' में नजर आई थीं कृति सेनन कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल 2' में देखा गया था। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृति के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 2012 में आई सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल थी, जिसे बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था।

# केरल की केजिया लिज मेजो बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया, 2026-इंटरनेशनल लेवल पर भारत को रिप्रजेंट करेंगी

जयपुर। केरल की केजिया लिज मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया-

2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने अपनी खूबसूरती और इंटेलिजेंस से हर किसी को इम्प्रेस किया। उन्हें मिस यूनिवर्स इंडिया-2025 मनिका विश्वकर्मा ने क्राउन पहनाया। केजिया अब इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस साल के अंत में प्यूर्टो रिको में होने वाली 75वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में दुनिया के विभिन्न देशों की ब्यूटी क्वीन हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में तमिलनाडु की वैष्णवी गणेश फर्स्ट रनर-अप और गुजरात की अनुश्री सातवलेकर सेकंड रनर-अप रहीं। जयपुर के जी-स्टूडियो में रविवार देर रात 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2026' फिनाले आयोजित हुआ। इसमें देशभर से 52 फाइनलिस्ट ने अपने टैलेंट, खूबसूरती और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। केजिया बोलीं- यह मेरे लिए उपलब्धि नहीं, बड़ी जिम्मेदारी-खिताब जीतने के बाद केजिया ने कहा कि यह खिताब मेरे लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंच पर करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मैं इस अवसर के माध्यम से भारत की विविधता, संस्कृति, प्रतिभा और नई पीढ़ी की शक्ति को दुनिया के सामने पेश करूंगी। सुष्मिता सेन, सेलिना जेटली और उर्वशी रौतेला रहीं जज-प्रतियोगिता में बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन, दो बार मिस यूनिवर्स इंडिया रह चुकीं उर्वशी रौतेला और मिस यूनिवर्स में फर्स्ट रनर-अप रह चुकीं सेलिना जेटली, फिल्म प्रोड्यूसर व पर्यावरणविद् प्रज्ञा कपूर और मिस यूनिवर्स इंडिया के मालिक निखिल आनंद ने इस पेजेंट को जज किया।

# तीन स्कूली बच्चे नदी में बह गए,बारिश में बच्चों को स्कूल भेजने की सेफ्टी गाइडलाइंस, बरतें ये 8 जरूरी सावधानियां

चंडीगढ़। हाल ही में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों बच्चों की मौत हो गई। वहीं दिल्ली के जसोला में 15 साल का एक लड़का खुले नाले में बह गया। इन दिनों देश के कई राज्यों में तेज बारिश हो रही है और आए दिन ऐसी घटनाएं सुनने को मिल रही हैं। ऐसे में बारिश के मौसम में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर खास सावधानी बरतना जरूरी है। दरसअल, बारिश के मौसम में जलभराव, खुले नाले और फिसलन भरे रास्ते बच्चों के लिए हादसे का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं, बारिश में भीगने और गंदे पानी के संपर्क से सर्दी-खांसी, वायरल फीवर और पेट के संक्रमण जैसी समस्याओं का रिस्क भी बढ़ जाता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बारिश में स्कूली बच्चों की सेफ्टी पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-मानसून में बच्चों को स्कूल भेजते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? बच्चों के स्कूल बैग में कौन-सी जरूरी चीजें रखनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. भरत जैन, सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी, कोकून हॉस्पिटल, चंडीगढ़ जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- बारिश में बच्चों को स्कूल भेजते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- इस दौरान उनकी स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए बातों का खास ख्याल रखें- ट्रैवल सेफ्टी का इंतजाम करें। रेनकोट/छाता जरूर दें। अतिरिक्त कपड़े, मोजे रखें। बैग पर वॉटरप्रूफ कवर लगाएं। एंटी-स्लिप जूते / सैंडल पहनाएं। ताजा और पौष्टिक भोजन दें। साफ पानी की बोतल दें। बारिश के सेफ्टी टिप्स सिखाएं, जैसेकि- पानी में भीगो नहीं। जलभराव से दूर रहो। गंदे पानी में मत चलो। बिजली के खंभे से दूर रहो। एआई जनरेटेड सुरक्षित छांव में खड़े हो। सवाल- बारिश में बच्चों का स्कूल बैग कैसा होना चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- वॉटरप्रूफ या वॉटर-रेसिस्टेंट बैग हो। बैग पर रेन कवर लगा हो। चौड़ी और आरामदायक स्ट्रैप्स हों। वजन बच्चे की उम्र के अनुसार हो। जिप और सिलाई मजबूत हो। रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स लगी हों ताकि कम रोशनी में भी दिखे। अतिरिक्त मोजे, छाता और रेनकोट रखने की जगह हो। सवाल- बारिश में बच्चों के स्कूल यूनिफॉर्म से जुड़ी क्या तैयारी करनी चाहिए? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- बारिश के दिनों में 2-3 सेट यूनिफॉर्म तैयार रखें। घर से निकलते समय यूनिफॉर्म को बारिश से बचाने के लिए रेनकोट पहनाएं। बैग में एक जोड़ी सूखे मोजे और नैपकिन रखें। ये भीगने पर काम आएगा। स्कूल से लौटने के बाद यूनिफॉर्म तुरंत सुखाएं। यूनिफॉर्म को अलमारी में रखने से पहले पूरी तरह सूखा लें, ताकि उसमें स्मेल या फंगस न लगे। जूते भीगने की स्थिति में एक अतिरिक्त जोड़ी का इंतजाम रखें। सवाल- बारिश में बच्चों के लिए कौन-से फुटवेयर बेहतर होते हैं? जवाब- जो फुटवेयर जल्दी फिसलन से बचाएं और जल्दी सूख जाएं वे बच्चों के लिए

बेहतर होते हैं, जैसेकि- एंटी-स्लिप स्कूल शूज वॉटर-रेसिस्टेंट स्पोर्ट्स शूज- रबर सैंडल, क्रॉक्स-स्टाइल फुटवेयर,क्विक-ड्राई फुटवेयर, सवाल- क्या बच्चों को बारिश में भीगने देना ठीक है? जवाब- नहीं, इससे सर्दी, खांसी और संक्रमण का रिस्क बढ़ता है। अगर वे भीग जाएं तो तुरंत कपड़े बदलकर शरीर को अच्छी तरह सुखाएं। सवाल- बारिश में बच्चों में कौन-सी बीमारियों का रिस्क बढ़ता है? जवाब- बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हाती है, इसलिए उनमें बीमारियों का रिस्क ज्यादा होता है। नमी और दूषित पानी इस रिस्क को बढ़ा देते हैं। वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, डेंगू-मलेरिया, फंगल इन्फेक्शन, पेट का संक्रमण, टाइफाइड,फ्लू, कंजंक्टिवाइटिस (आंखों का संक्रमण) सवाल- बारिश में बच्चों को टिफिन में क्या देना चाहिए और क्या नहीं? जवाब- बच्चों के टिफिन में ताजा, अच्छी तरह पका और आसानी से पचने वाला खाना दें, जैसेकि- क्या दें? घर का बना ताजा खाना। ताजा बना पराठा, रोटी या पूरी। अच्छी तरह पकी हुई सब्जियां। इडली, उपमा या पोहा। मूंग दाल की खिचड़ी। मौसमी फल (कटे हुए नहीं)। सूखे मेवे और भुने चने। क्या न दें? रात का बचा हुआ खाना। मेयोनीज या क्रीम वाली चीजें। बहुत ज्यादा तला-भुना और ऑयली खाना। जल्दी खराब होने वाले डेयरी प्रोडक्ट्स। क्रीम वाली बेकरी आइटम्स। सवाल- क्या बारिश में बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है?जवाब- नहीं, बारिश का मौसम सीधे बच्चों की इम्यूनिटी को कमजोर नहीं करता। लेकिन इस मौसम में संक्रमण फैलाने वाले वायरस और बैक्टीरिया ज्यादा एक्टिव होते हैं। इससे बच्चों के बीमारी का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- अगर बच्चा पैदल स्कूल जाता है तो उसे सड़क सुरक्षा से जुड़ी कौन सी बातें बतानी चाहिए? जवाब- बारिश में पैदल स्कूल जाने वाले बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियम अच्छी तरह समझाना जरूरी है। बच्चा पैदल स्कूल जाता हैं तो- हमेशा फुटपाथ पर चलो। ट्रैफिक नियमों का पालन करो। दौड़कर सड़क क्रॉस न करो। दाएं-बाएं देखकर सड़क क्रॉस करो। जहां पानी भरा हो, वहां न जाओ। बिजली के खंभों, तारों से दूर रहो। फिसलन वाले रास्तों से दूर रहो। खुले मेनहोल गड्ढों से सावधान रहो। इमरजेंसी नंबर हमेशा पास रखो। सवाल- बारिश में आकाशीय बिजली से सुरक्षा के लिए बच्चों को क्या जरूरी बातें बतानी चाहिए? जवाब- बारिश के दौरान आकाशीय बिजली का रिस्क बढ़ जाता है। खुले स्थान परन खड़े हों। पेड़ों के नीचे न खड़े हों। घर/स्कूल के अंदर रहें। सेफ इमारत में शरण लें। मेटल की चीजें न छुएं। खिड़की, दरवाजों से दूर रहें। सवाल- बारिश में बच्चों के लिए रेनकोट बेहतर है या छाता? जवाब- छोटे बच्चों के लिए रेनकोट ज्यादा सेफ और सुविधाजनक होता है, क्योंकि इसमें दोनों हाथ खुले रहते हैं। बड़े बच्चे छाता इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन तेज हवा या भारी बारिश में रेनकोट ज्यादा उपयोगी होता है। सवाल- बच्चों के स्कूल बैग में कौन-सी जरूरी चीजें रखनी चाहिए? जवाब- इसमें कुछ बुनियादी चीजें रखनी जरूरी हैं। सवाल- क्या बारिश में रोज बच्चों के बाल धोना जरूरी है? जवाब- नहीं, रोज बाल धोना जरूरी नहीं है। बालों में पसीना, गंदगी या नमी ज्यादा हो तो धो सकते हैं। बारिश में बालों को ज्यादा देर गीला न रखें, उन्हें जल्द-से जल्द अच्छी तरह सुखाएं। सवाल- बारिश के मौसम में बच्चों की स्किन और पैरों की केयर कैसे करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- भीगने के बाद गीले कपड़े तुरंत बदलें। स्किन को अच्छी तरह सुखाएं। पैरों को रोज साफ पानी से धोएं। पैरों को हमेशा सूखा रखने की कोशिश करें। हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं। गीले मोजे लंबे समय तक न पहनने दें। साफ और सूखे जूते-मोजे पहनाएं। नाखून साफ और छोटे रखें। तौलिया, मोजे और जूते शेयर न करने दें। स्किन पर खुजली या रैशेज दिखें तो डॉक्टर से सलाह लें। सवाल- अगर बच्चा बारिश में भीगकर घर आए तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ जरूरी कदम उठाएं, ताकि सर्दी, संक्रमण या अन्य समस्याओं का रिस्क न हो। इन बच्चा भीग जाए तो करें ये काम- तुरंत गीले शरीर, बाल कपड़े बदलें अच्छे से सुखाएं। साफ, सूखे कपड़े पहनाएं। गुनगुना पानी / वार्म डिंक दें। कुछ देर आराम करने दें। पौष्टिक भोजन दें। गीले जूते, मोजे बदलें। दिक्कत हो तो डॉक्टर से मिलें। सवाल- बारिश में बच्चों को हाइजीन की कौन-सी आदतें सिखानी चाहिए? जवाब- बारिश के मौसम में संक्रमण का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए बच्चों को अच्छी हाइजीन की आदतें सिखाना जरूरी है। खाने से पहले हाथ धोएं। बाहर से आकर हाथ-पैर धोएं। गीले कपड़े तुरंत बदलें। रोज नहाने की आदत डालें नाखून साफ और छोटे रखें। साफ / फिल्टर्ड पानी पिएं। खांसते- छींकते समय मुंह ढकें। तौलिया, कपड़े, बोतल शेयर न करें। गीले जूते-मोजे देर तक न पहनें।

अपना कमरा साफ रखें। सवाल- बारिश में स्कूल बंद होने की जानकारी या मौसम का अपडेट कहां से लें? जवाब- इसके लिए आधिकारिक सोर्सेज से जानकारी लें, जैसेकि- स्कूल के ऑफिशियल मैसेज से। स्कूल एप या वॉट्सएप ग्रुप से। स्थानीय मौसम विभाग के अलर्ट्स से।

सवाल- किन स्थितियों में बच्चे को स्कूल नहीं भेजना चाहिए? जवाब- कुछ स्थितियों में बच्चे को स्कूल भेजना परेशानी खड़ी कर सकता है, जैसेकि- बच्चे को बुखार हो।

लगातार खांसी या सांस लेने में परेशानी हो। उल्टी या दस्त की शिकायत हो। आंखों में संक्रमण (आई फ्लू) हो। भारी बारिश या जलभराव से स्कूल पहुंचना असुरक्षित हो।

# आसिम रियाज बोले- मैंने किसी का धर्म नहीं बदलवाया,हिमांशी खुराना के आरोपों पर रखी अपनी बात,कहा- पब्लिसिटी के लिए धर्म का इस्तेमाल कर रहीं

मुंबई। 'बिग बॉस 13' के रनर-अप आसिम रियाज ने अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड हिमांशी खुराना के धर्म परिवर्तन वाले दावों पर सफाई दी है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर आसिम ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। हाल ही में हिमांशी ने एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि आसिम ने उन पर अपना धर्म बदलने का दबाव बनाया था। इस पर आसिम ने कहा कि उन्होंने कभी किसी से धर्म बदलने के लिए नहीं कहा और उनके खिलाफ नफरत फैलाने के लिए इस संवेदनशील मुद्दे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इंस्टाग्राम पोस्ट पर आसिम ने दी सफाई आसिम रियाज ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबा नोट शेयर किया। हालांकि पोस्ट में उन्होंने हिमांशी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिखा, लेकिन साफ किया कि निजी मुद्दों को पब्लिक में लाकर विवाद बनाया जा रहा है। आसिम ने लिखा, 'मैंने कभी किसी को अपना धर्म बदलने के लिए नहीं कहा। एक बार भी नहीं। बल्कि मैंने ही तुम्हें फिटनेस की तरफ पुश किया था। मुझसे मिलने से पहले सब जानते हैं कि तुम कैसी दिखती थीं।' 'पब्लिसिटी के लिए धर्म को हथियार न बनाएं' आसिम ने आगे लिखा कि धर्म एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है और इसे हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने हिमांशी पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों के मन में मेरे लिए नफरत पैदा करने के लिए इतने पर्सनल मैटर को उछालना बचकाना है। इससे पता चलता है कि अटेंशन पाने के लिए कोई किस हद तक गिर सकता है।हिमांशी ने कहा था- इस्लाम कबूल करने वाली थी इससे पहले पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में हिमांशी ने दावा किया कि एक समय वह आसिम के दबाव में इस्लाम कबूल करने के बेहद करीब पहुंच गई थीं। उन्होंने बताया कि रिश्ते के दौरान उनके पूजा-पाठ और धार्मिक मान्यताओं को लेकर आपत्ति जताई जाती थी। हिमांशी के मुताबिक, मानसिक दबाव इतना बढ़ गया था कि एक रात उन्हें लगा कि उनकी जिंदगी का शायद आखिरी दिन है। उन्होंने धर्म बदलने से पहले चार धाम यात्रा करने की इच्छा भी जताई थी। बिग बॉस 13 में शुरू हुई थी दोनों की स्टोरी हिमांशी खुराना और आसिम रियाज की मुलाकात 'बिग बॉस 13' के दौरान हुई थी। शो में दोनों की नजदीकियां लगातार चर्चा में रहीं और कुछ समय बाद दोनों ने अपने रिश्ते को आगे बढ़ाया। शो से बाहर आने के बाद भी दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। फैंस ने इस जोड़ी को 'आसिमांशी' नाम दिया था। हालांकि, बाद में दोनों का रिश्ता टूट गया। दिसंबर 2023 में ब्रेकअप की घोषणा करते हुए दोनों ने अलग-अलग धर्म और धार्मिक मान्यताओं को भी वजह बताया था। उस समय हिमांशी ने सोशल मीडिया पर आसिम के साथ हुई निजी चैट के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए थे, जिनमें धर्म को लेकर बातचीत का जिक्र था। हिमांशी ने बताया- एक समय धर्म बदलने को तैयार थी अब पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में हिमांशी ने रिश्ते के दौरान आए मुश्किल दौर का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि उस समय उनके पार्टनर की तरफ से उनके पूजा-पाठ को लेकर आपत्ति जताई जाती थी। हिमांशी के मुताबिक, उनसे कहा गया था कि पूजा-पाठ अब नहीं चलेगा। उन्होंने दावा किया कि सामने वाले परिवार और उनकी धार्मिक सोच का दबाव भी उन पर बनाया जा रहा था। धीरे-धीरे यह दबाव इतना बढ़ गया कि वह इस्लाम कबूल करने के बेहद करीब पहुंच गई थीं। 'मुझे लगा, शायद उनसे दोबारा नहीं मिल पाऊंगी' हिमांशी ने बातचीत के दौरान उस रात का भी जिक्र किया, जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का बेहद मुश्किल दौर बताया। उनके अनुसार, वह प्यार में इतनी आगे बढ़ चुकी थीं कि धर्म बदलने के फैसले के लिए भी तैयार हो गई थीं। उन्होंने बताया कि धर्म बदलने से पहले वह चार धाम की यात्रा करना चाहती थीं। उन्हें ऐसा लग रहा था कि धर्म बदलने के बाद शायद वह अपने पुराने धार्मिक विश्वासों और उनसे जुड़े लोगों से दोबारा नहीं मिल पाएंगी। इसी वजह से वह चार धाम यात्रा को आखिरी बार करने की इच्छा रखती थीं। 2023 में भी धर्म को लेकर सामने आई थी बात-हिमांशी और आसिम के ब्रेकअप के समय भी धर्म का मुद्दा सामने आया था। हिमांशी ने उस वक्त सोशल मीडिया पर दोनों के बीच हुई बातचीत के स्क्रीनशॉट शेयर किए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चैट में आसिम ने रिश्ते के खत्म होने की वजह अलग-अलग धर्म और धार्मिक मान्यताओं को बताया था। हिमांशी ने यह भी कहा था कि उन्होंने पोस्ट में धर्म वाली बात लिखी थी, लेकिन बाद में उसे हटा दिया क्योंकि उन्हें लगा कि इससे आसिम को निशाना बनाया जा सकता है। हिमांशी बोलीं- किसी पर धर्म बदलने का दबाव सही नहीं अब अपने हालिया बयान में हिमांशी ने कहा कि किसी भी रिश्ते में धर्म बदलने के लिए दबाव बनाना सही नहीं है।

उनके मुताबिक, हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक पहचान और मान्यताओं के साथ जीने की आजादी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि उस दौर में वह भावनात्मक रूप से काफी दबाव में थीं और बाद में उन्हें महसूस हुआ कि धर्म बदलने का फैसला सही नहीं होगा। हिमांशी और आसिम ने 2023 में अपने रिश्ते के खत्म होने की जानकारी सार्वजनिक की थी। हालांकि, अब हिमांशी के नए दावों के बाद दोनों के पुराने रिश्ते और उसके टूटने की वजह एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सोशल मीडिया पर भी उनके बयान को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं, उपलब्ध ताजा रिपोर्ट में आसिम रियाज की ओर से इन नए आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया दर्ज नहीं है।

# रितेश देशमुख ने पैपराजी से पैसे लिए उधार, सड़क पर बच्चों को देने के लिए कैश नहीं था

## बोले- उधार चुकाना है, ढूंढने में मदद करें

मुंबई। एक्टर रितेश देशमुख पैसे उधार देने वाले पैपराजी को सोशल मीडिया की ममद से ढूंढ रहे हैं। दरअसल रविवार को मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर कुछ बच्चों ने उनसे मदद मांगी, लेकिन उस वक्त रितेश के पास नकद पैसे नहीं थे। इस दौरान वहां मौजूद एक पैपराजी ने रितेश की तरफ से उन बच्चों को पैसे दे दिए। अब रितेश उस फोटोग्राफर का उधार चुकाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने इंस्टाग्राम पर उस फोटोग्राफर की तस्वीर शेयर कर लोगों से उसका कांटेक्ट नंबर ढूंढने की अपील की है। रेस्टोरेंट के बाहर बच्चों ने मांगी थी मदद रविवार को रितेश देशमुख अपनी पत्नी जेनेलिया डिसूजा के साथ मुंबई के एक रेस्टोरेंट में पहुंचे थे। रेस्टोरेंट से बाहर निकलते ही पैपराजी उनकी तस्वीरें क्लिक करने लगे। उसी वक्त कुछ छोटे बच्चे रितेश के पास पहुंचे और

उनसे पैसे मांगने लगे। रितेश ने अपनी जेब चेक की, लेकिन उस समय उनके पास कैश मौजूद नहीं था। फोटोग्राफर ने आगे आकर दिए पैसे एक्टर को ऐसी स्थिति में देखकर वहां मौजूद एक पैपराजी फोटोग्राफर तुरंत आगे आया। उसने अपनी जेब से पैसे निकालकर रितेश की तरफ से उन बच्चों को दे दिए। रितेश ने उस वक्त उस फोटोग्राफर को धन्यवाद कहा, लेकिन वे उस छोटे से उधार को भी वापस लौटाना चाहते थे। इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर मांगा नंबर घटना के बाद रितेश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उस फोटोग्राफर की फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, 'भाऊ, धन्यवाद। कृपया मुझे इनका नंबर ढूंढने में मदद करें। इन्होंने मेरी तरफ से बच्चों को पैसे दिए थे और मुझे उनका यह उधार चुकाना है।' सोशल मीडिया पर लोग रितेश के इस व्यवहार की सराहना कर रहे हैं। शिवाजी महाराज के रोल में दिखे थे रितेश रितेश देशमुख के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में एक मराठी फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, जिसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।